राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

समाचार गेट

वर्ष 1, अंक106, पेज 8, मूल्य 1 रूपये | सोमवार 1 जुलाई 2024 | samachargate@gmail.com | TITLE CODE: HARHIN11569

बगैर गरीबों को मजबूत बनाए देश कभी मजबूत नहीं बन सकता : कृष्ण पाल गुर्जर

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि देश की बागडोर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत हाथों में होने से भारत की सीमाएं, खजाना और नागरिक सुरक्षित हैं। भारत सरकार के केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर ने आज सेक्टर-12 स्थित एचएसवीपी कन्वेशन हाल में आयोजित पेंशन व बीआर अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना लाभार्थी समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य, श्रम, खाद्य नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता मामले तथा निर्वाचन मंत्री श्री मूलचंद शर्मा, फरीदाबाद विधायक नरेंद्र गुप्ता और तिगांव विधायक राजेश नागर ने शिरकत की।

कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री द्वारा डॉ बी आर अंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना और मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना लाभ वितरण कार्यक्रम का ऑनलाइन लाइव वीडियो के माध्यम से प्रसारण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करके किया गया।

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हु कहा कि आज हरियाणा में 3000 लाभार्थियों को डॉ अंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत उनके मकानों की मरम्मत के लिए पैसा उनके खातों में आएगा। जब से देश की बागडोर मोदी जी के हाथो में आयी है तबसे मोदी जी ने देश के गरीबों के लिए अनेक योजनाएं बनाई है और उन योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम किया है। क्यों कि मोदी

जी जानते है इस देश को मजबूत बनाना है तो बगैर गरीबों को मजबूत बनाए कभी देश मजबूत नहीं बन सकता। वह जानते हैं गरीबों की मुसीबत को मोदी की तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने हैं तो यह सब गरीबों की दुआओं और आशीर्वाद है। मोदी जी ने जब पहली बार देश का प्रधानमंत्री बनने की शपथ ली थी तो उन्होंने कहा था कि मेरी सरकार गरीबों की सरकार है। आज देश के 80 करोड़ लोगों को अनाज मिल रहा है और अगले 5 साल तक भी मिलेगा ताकि मेरे देश का कोई भी गरीब भूखा नहीं सोना चाहिए। देश में 55 करोड़ लोगों को 5 लाख तक का मुफ्त इलाज की व्यवस्था पहली बार मोदी जी ने की है। उन्होंने कहा कि इस देश में गरीब व्यक्ति बगैर इलाज और दवा के दाम न तोड़े उसके लिए सच्ची दवाइयां का इंतजाम जन औषधि केंद्र के माध्यम से किया गया है। मोदी जी ने माताओं व बहनों को गर्भावस्था के समय सही पोषण मिले इसके लिए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना शुरू की। जना के तहत कुल 5 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है। इसमें पहली किश्त एक हजार रुपये की है। दूसरी किश्त 2 हजार रुपये की व तीसरी किश्त भी 2 हजार रुपये की निर्धारित की गई है। उज्जवला योजना के तहत 10 करोड़ गैस कनेक्शन गरीब महिलाओं को दिए और कोई ऐसा घर नहीं छोड़ा जहां गैस कनेक्शन न हो।

मोदी सरकार ने गरीब के लिए बिना किसी जाति के 10 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया। बुढ़ापा पेंशन, विडो पेंशन, विधुर पेंशन अविवाहित पेंशन और जून में 46000 लोगों की नयी पेंशन बनायीं है। मोदी जी ने महिलाओं के लिए 10 करोड़ शौचालय बनवाएं। 50 करोड़ लोगों के बिना किसी गैरंटी के जान धन खाते खुलवाए और उन्हें 2 लाख तक का बीमा भी दिया। मोदी जी ने गरीबो का भरोसा जीता और उनके लिए देश के खजाने को खोल दिया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने गंगा शंकर मिश्र के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए परिजनों को दी सांत्वना

समाचार गेट/ब्यूरो

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने आरएसएस के हरियाणा प्रांत संपर्क प्रमुख गंगा शंकर मिश्र के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उनके परिजनों को सांत्वना दी। वे रविवार की सांयकाल स्वर्गीय श्री मिश्र के सेक्टर-8 स्थित आवास पर पहुंचे। उन्होंने श्री मिश्र के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उनका निधन संघ व समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। श्री मिश्र का जीवन अनुकरणीय रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह ने समस्त परिजनों को हिम्मत बंधाई। इस मौके पर श्री मिश्र की धर्मपत्नी आदेश मिश्र सहित उनके पुत्र प्रतीक व पुत्री पल्लवी, भाई हरि शंकर, छोटे भाई उमाशंकर, बहू ज्योति मिश्र, दामाद गौरव, भतिजा ओमकार, गांव से आये कर्नल समर सिंह व प्रेमचंद गौड़ आदि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री के साथ हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री मूलचंद शर्मा, विधायक नरेंद्र गुप्ता, विधायक राजेश नागर, अजय गौड़ आदि ने भी स्व. श्री मिश्र के परिजनों को सांत्वना दी। इस अवसर पर उपायुक्त विक्रम सिंह, अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद शर्मा, नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल, एसडीएम त्रिलोकचंद आदि अधिकारीगण भी मौजूद थे इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह ने फरीदाबाद में पुजारी रवि भगत पर हुए हमले का कड़ा संज्ञान लिया। इस मामले में उन्होंने पुलिस आयुक्त को निर्देश दिए कि वे अपराधियों को शीघ्रातिशीघ्र गिरफ्त में लें। अपराधियों को बक्शा नहीं जाएगा।

बाजार भाव

सोना ₹ 72,280

चाँदी ₹ 90,000

आज का मौसम

तापमान°

ज्यादा 34°

कम 27°

हंसना जरूरी है!

संता बंता सफर पर जा रहे थे, रात हो गयी
वो टेंट लगा कर सो गए...
रात को संता की नींद खुली, उसने बंता को जगा कर कहा - "आसमान की तरफ तुझे क्या नजर आता है ?"
बंता - बहुत सारे सितारे...
संता - इससे क्या पता चलता है ?
बंता - आसमान कितना खुबसूरत है...
संता - अबे न्यूटन की औलाद, टेंट चोरी हो गया है

विधानसभा चुनाव में अकेले उतरेगी बीजेपी

समाचार गेट/एजेंसी

चंडीगढ़: गृह मंत्री अमित शाह ने ऐलान किया है कि निकट भविष्य में होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लड़े जाएंगे। चुनाव में बीजेपी का सीएम चेहरा सैनी ही होंगे। अमित शाह ने शनिवार को पंचकूला में बीजेपी की विस्तारित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के दूसरे सत्र के दौरान प्रदेश भर से आए हुए नेताओं, कार्यकताओं, विधायकों और सांसदों को संबोधित किया। अमित शाह ने कार्यकताओं से कहा कि अपने मन से संशय निकाल दीजिए कि हम किसी के साथ जाएंगे। भारतीय जनता पार्टी को हरियाणा में किसी की बैसाखियों की जरूरत नहीं है। पूर्ण बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाएंगे।शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में फिर से हरियाणा की जनता का विश्वास जीतेंगे। गृह मंत्री ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र में तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने में हरियाणा वासियों का अहम योगदान है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि शाह ने आगामी विधानसभा चुनावों में विजय की मजबूत आधारशिला रखी है।अमित शाह ने कर दिया ये ऐलानबता दें कि नायब सैनी को 12 मार्च को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया गया था। इसके बाद प्रदेश में लोकसभा चुनाव शुरू हो गए और विधानसभा चुनाव की तैयारी चल रही है। ऐसे में नायब सैनी सरकार को काम करने के लिए बहुत कम समय मिल पाया है।

इस बीच बीजेपी में चुनाव के दौरान पार्टी के चेहरे को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए गृह मंत्री ने कहा कि हरियाणा बीजेपी तीसरी बार सरकार बनाएगी। नायब सैनी दूसरी बार मुख्यमंत्री बनेंगे। अगला चुनाव नायब सैनी के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा।'हमारी सरकार ने विकास किया'गृहमंत्री ने कार्यकताओं और नेताओं से रुबरू होते हुए कहा कि हमें जीत के विश्वास के साथ भारतीय जनता पार्टी को आगे बढ़ाना है। पिछले 10 वर्षों में हमने हरियाणा के अंदर परिवर्तन लाने का काम किया है।

राजनीति के मायनों को बदला है। पहले एक सरकार आई थी तो भ्रष्टाचार बढ़ता था, दूसरी सरकार आती थी तो दबंगों का राज बढ़ जाता था। हमारी सरकार ने विकास किया है।कांग्रेस पर बोला हमलाकांग्रेस पर हमला बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि हरियाणा कांग्रेस के नेता कट, कमीशन और करप्शन में लिप्त रहे हैं।

पहले हरियाणा में एक सरकार एक जिले के लिए, दूसरी सरकार दूसरे जिले के लिए काम करती थी, लेकिन भाजपा ने 10 वर्षों में पूरे हरियाणा में एक समान काम किया है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान करते हुए कहा कि केंद्र में कमल की सरकार बना दी है और अब हरियाणा में भी तीसरी बार कमल की सरकार बनानी है।

पहलवान साहिल ने अंडर-23 एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

समाचार गेट/भावना कौशिश

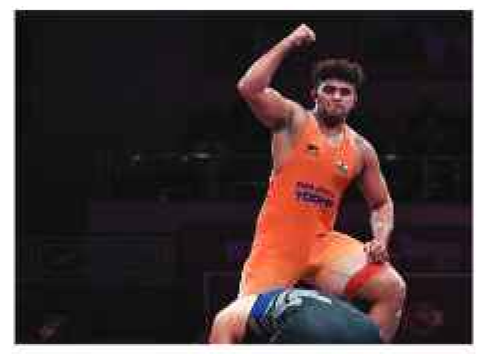

फरीदाबाद। हरियाणा राज्य खेल परिसर सेक्टर 12 फरीदाबाद के पहलवान साहिल जागलान ने जॉर्डन ओमन में आयोजित अंडर-23 एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप (22-30 जून) में 97 किलो फ्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक जीतकर देश और अपने शहर का नाम रोशन किया` साहिल ने पहली कुश्ती में सीरिया के पहलवान को 10-0 से, दूसरी कुश्ती में फिलिस्तीन के पहलवान को 10-0 से, तीसरी कुश्ती में, तीसरी कुश्ती में जॉर्डन के पहलवान को 10-0 से, सेमी फाइनल में चीन के पहलवान को 15-7 के मुकाबले से, और फाइनल में कजाकिस्तान के पहलवान को 6-3 से हराकर, स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। साहिल जागलान ने सेक्टर-12 रेसलिंग एकेडमी कोच सोनू भारद्वाज से नियमित अभ्यास की बदौलत यह उपलब्धि प्राप्त की है`जानकारी के लिए बता दें कि साहिल जागलान ने 16-24 जुलाई में आयोजित अंडर-20 जुनियर एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप में भी दाव पेंच दिखाएगा। जो कि थाईलैंड में आयोजित होगी इस अवसर पर कोच सोनू भारद्वाज ने कहा कि हमें साहिल की इस उपलब्धि पर बहुत गर्व हैं वह अभ्यास के लिए नियमित आकर मेहनत करता था आज उस मेहनत का रिजल्ट आपके सामने है इसने ने केवल फरीदाबाद शहर बल्कि पूरे देश का नाम रोशन कर दिया।जिला खेल अधिकारी देवेन्द्र गुलिया ने कोच सोनू भारद्वाज और साहिल जागलान को बधाई देते हुए कहा की और सभी बच्चों को भी इससे प्रेरित होना चाहिए और देश का नाम रोशन करना चाहिऐं

फैजाबाद से एसपी सांसद पर दांव लगा सकता है विपक्ष

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्लीः पहले लोकसभा स्पीकर को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष में घमासान देखने को मिला था। अब डिप्टी स्पीकर की पोस्ट के लिए भी विपक्षी दलों ने दावेदारी तेज कर दी है। इंडिया ब्लॉक, लोकसभा उपाध्यक्ष पद के लिए फैजाबाद से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद को कैंडिडेट घोषित करने का प्लान बना रही है। इस गठबंधन में तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस शामिल हैं। 78 वर्षीय अवधेश प्रसाद दलित समुदाय से आते हैं और अयोध्या जैसी महत्वपूर्ण सीट से जीतकर आए हैं। पहले खबरें थीं कि कांग्रेस केरल से आठ बार के सांसद के. सुरेश को इस पद के लिए उम्मीदवार बनाना चाहती है।टीएमसी, एसपी और कांग्रेस में बन रही रणनीतिसूत्रों के मुताबिक, तृणमूल महासचिव अभिषेक बनर्जी, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और विपक्ष के नेता राहुल गांधी पहले ही इस पर चर्चा कर चुके हैं। अन्य सहयोगियों से भी इस पर बात की जा सकती है। सूत्रों के मुताबिक, अवधेश प्रसाद को

उम्मीदवार बनाने का विचार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी का था। उन्होंने ये बात अपने भतीजे अभिषेक से कही। तीनों दलों को लगता है कि फैजाबाद सांसद अवधेश प्रसाद एक अलग तरह के कैंडिडेट होंगे और उनकी उम्मीदवारी एक मजबूत संदेश देगी। वे 50,000 से अधिक मतों से जीते हैं।ममता ने सजेस्ट किया अवधेश प्रसाद का नामराहुल गांधी और अखिलेश यादव से बातचीत में, अभिषेक बनर्जी ने कहा कि उपाध्यक्ष पद के लिए इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार का चयन एक 'मजबूत संदेश' देना चाहिए। चूंकि संख्या बल के हिसाब से इंडिया गठबंधन कमजोर है, इसलिए उन्होंने प्रतीकात्मकता पर ध्यान केंद्रित किया। तृणमूल के एक सांसद ने कहा कि इंडिया गठबंधन उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ेगा। इस सत्र के बाकी तीन दिनों में या बाद में भी... हम सामूहिक रूप से इस पद की मांग करेंगे। संभावित उम्मीदवारों पर आम सहमति बनाई जा रही है।17वीं लोकसभा में नहीं था कोई उपसभापतिसंविधान के अनुच्छेद 93 में कहा गया है कि लोकसभा अपने दो सदस्यों को अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में चुनेगी। 17वीं लोकसभा आजादी के बाद की ऐसी पहली लोकसभा थी जिसमें कोई उपाध्यक्ष नहीं था। इस सवाल पर कि अगर एनडीए उपाध्यक्ष पद के चुनाव में विपक्ष के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करता है तो क्या होगा? तृणमूल सांसद ने कहा कि 17वीं लोकसभा और 18वीं लोकसभा बहुत अलग हैं। अब बीजेपी सरकार नहीं, बल्कि एनडीए सरकार है। हम इस सेशन और उसके बाद के सभी सत्रों में चुनाव के लिए जोरदार तरीके से दबाव बनाते रहेंगे।

रोहित शर्मा ने मैदान पर क्यों नहीं किया संन्यास का ऐलान

समाचार गेट/एजेंसी

टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी रोहित शर्मा ने संन्यास ले लिया है। रोहित ने 2007 टी20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू किया था। इसी मैच में युवराज सिंह ने स्टुअर्ट ब्रॉड को 6 छक्के मारे थे। अब 17 साल बाद टी20 वर्ल्ड कप जीतकर रोहित ने संन्यास का ऐलान कर दिया है। संन्यास के समय रोहित के नाम इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन, सबसे ज्यादा छक्के और सबसे ज्यादा शतक हैं मैदान पर क्यों नहीं लिया संन्यास?रोहित शर्मा को बखूबी पता था कि विराट कोहली ने संन्यास का फैसला ले लिया है, फाइनल का नतीजा चाहे जो हो। विराट कोहली ने प्लेयर ऑफ द मैच लेने के समय ही संन्यास का ऐलान कर दिया। यही वजह है कि मैच के बाद पुरस्कार वितरण में रोहित ने उन्हें वह मौका दिया और अपने संन्यास का ऐलान नहीं किया। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भारतीय कप्तान ने अपने संन्यास का फैसला दुनिया को बतायाकभी संन्यास का नहीं सोचा थाभारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कभी टी20 क्रिकेट से विदा लेने के बारे में सोचा नहीं था लेकिन उनके अनुसार विश्व कप ट्रॉफी जीतने के साथ विदा लेने से बढ़िया क्या हो सकता है। दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में सात

रन से हराने के बाद मीडिया से बातचीत में रोहित ने कहा, ‘मैं अपने भविष्य के बारे में इस तरह से फैसले नहीं लेता। मुझे जो भीतर से अच्छा लगता है, मैं वही करता हूं। मैं आगे के बारे में ज्यादा नहीं सोचता। मैंने पिछले साल वनडे विश्व कप के बाद भी नहीं सोचा था कि वह विश्व कप खेलूंगा या नहीं। मैंने कभी सोचा नहीं था कि टी20 से संन्यास लूंगा। लेकिन हालात परफेक्ट हैं। विश्व कप जीतकर विदा लेना बेहतर है।’दुसरी बार बने वर्ल्ड चैंपियनरोहित 2007 में पहले विश्व कप में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में खिताब जीतने वाली टीम के भी सदस्य थे। अपने सफर के बारे में उन्होंने कहा, ‘मुझे बताया गया कि मैंने 2007 में शुरूआत की तब भी हमने विश्व कप जीता था और अब विश्व कप के साथ विदा ले रहा हूं।

जिंदगी का चक्र पूरा हो गया। मैं बहुत खुश हूं। मैं उस समय 20 साल का था। मैं खिलाड़ियों से कहता हूं कि अपनी भूमिका निभाये। मैं उस समय पांचवें-छठे नंबर पर उतरता था।’विराट और द्रविड़ पर भी बोलेरोहित ने कहा कि विराट कोहली और कोच राहुल द्रविड़ को भी इस खिताब का श्रेय जाता है। उन्होंने कहा, ‘हम सभी से ज्यादा राहुल भाई इस ट्रॉफी के हकदार थे।

उन्होंने पिछले 20-25 साल में भारतीय क्रिकेट के लिये जो किया है, सिर्फ विश्व कप जीतना ही बाकी था। पूरी टीम की तरफ से मैं बहुत खुश हूं कि हम उनके लिये जीत सके। उन्होंने कहा कि विराट चैंपियन क्रिकेटर रहा है। हम सभी को पता है कि उसने हमारे लिये क्या किया है। एक समय तो सबको विदा लेना ही है और विराट इसे लेकर काफी स्पष्ट था। मैं उसके लिये बहुत खुश हूं कि उसने फाइनल में इस तरह की बल्लेबाजी की।

बैंकों पर साइबर अटैक का खतरा, आरबीआई ने भेजा अलर्ट

समाचार गेट/एजेंसी

'लॉगिन और महत्वपूर्ण प्रणालियों तक एक्सेस पर पाबंदी लगाने की आवश्यकता होती है। उन्हें वायरस और मैलवेयर का पता लगाने के लिए सभी सूचना प्रणालियों का गहन स्कैन भी करना चाहिए, और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आवश्यक परीक्षण के बाद नवीनतम पैच स्थापित किए गए हैं।हाल ही में जारी आरबीआई की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में वित्तीय क्षेत्र को निशाना बनाकर साइबर घुसपैठ और डिजिटल हमलों में खतरनाक वृद्धि पर प्रकाश डाला गया है। पिछले दो दशकों में, इन घटनाओं के परिणामस्वरूप $20 अरब का चौंका देने वाला नुकसान हुआ है। केंद्रीय बैंक का कहना है कि राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता, जैसे कि भू-राजनीतिक तनाव के समय साइबर हमले बढ़ जाते हैं। इससे विघटनकारी परिणाम सामने आते हैं।बैंकों की तैयारीइंडस्ट्री के एक अधिकारी ने कहा कि करीब एक साल पहले रेगुलेटर और उत्पाद-कल्ल ने भी इसी तरह का निर्देश जारी किया था। आम तौर पर, जब किसी साइबर हमले का कोई संकेत मिलता है, तो बैंक अपनी तैयारियों का परीक्षण करते हैं। इस बार भी ऐसा ही है। आरबीआई का कहना है कि बैंकों को मजबूत ऑफलाइन बैकअप और रिकवरी रणनीतियां अपनाने तथा उनकी प्रभावशीलता का परीक्षण करने पर फोकस करना चाहिए। अधिकारी ने आगे कहा कि हमलों की अनेक घटनाओं को देखते हुए खुफिया सूचनाओं को हल्के में नहीं लिया जा सकता है।

विचार देकर संस्कार और परिवार रूपी समाज की अहम कड़ी को करें मजबूत : शोभा सादानी

समाचार गेट/ निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। हरियाणा पंजाब हिमाचल जम्मू कश्मीर चंडीगढ़ माहेश्वरी महिला संगठन के बैनर तले रघुकुल रीत सिद्धा और युगल सिद्धा समिति ने सोमाणी शिक्षण संस्थान में आयोजित समर्पण कार्यक्रम में शनिवार को सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया इस कार्यक्रम की प्रमुख वक्ता और मुख्य अतिथि शोभा सादानी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हमें विचार देकर संस्कार और परिवार रूपी समाज की अहम कड़ी को मजबूत करना होगा उन्होंने पारिवारिक जीवन को खुशहाल और संयमित बनाने के लिए अपनी सूझ बूझ का अपने आम जीवन में इस्तेमाल पर बल दिया। उनके अनुसार हमें देश और समाज को विकसित करने के लिए खुद को और अपने परिवार को खुश रखना सीखना होगा। बदलाव जीवन का अहम हिस्सा है और इसे हमको स्वीकार करना ही होगा उन्होंने कहा कि समाज महिलाओं से हमेशा सलाह और प्रेरणा लेता आया है और हम अपने छोटे बच्चों के सामने कैसी बात कह रहे हैं, वह हमें याद रखना होगा क्योंकि वो हमसे सुनकर उसको सीखते हैं।अखिल भारतीय महासभा के उप चेयरमैन अशोक सोमाणी ने समाज को नया संदेश देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम पूरी तरह सफल रहा है और माहेश्वरी समाज तक इस कार्यक्रम का सही संदेश भेजना, अब सभी महिलाओं का दायित्व है युगल सिद्धा की राष्ट्रीय प्रभारी शर्मिला राठी ने कहा कि महिलाओं को जागृत समाज बनाने के लिए अपनी सोच को रचनात्मक रूप देना होगा। रघुकुल रीत सिद्धा की उत्तरांचल प्रभारी मंजू सोमाणी ने कहा कि शिक्षा विचारों को जन्म देती है, जोकि जीवन को सही और गलत दिशा में ले जाते हैं।

इसलिए महिलाओं को अपनी सोच को रचनात्मक कार्यों से जोड़ना होगा और सोमाणी शिक्षण संस्थान इस काम को बखूबी कर रहा है।

कार्यक्रम में सीमा मूंदड़ा अध्यक्ष, अनु सोमाणी सचिव, राज्य कार्य समिति सदस्य पूजा राठी, सुमन जाजू निवर्तमान अध्यक्ष, मंजू भुराड़िया कोषाध्यक्ष और बबीता राठी रेवाड़ी अध्यक्ष ने अपने विचार व्यक्त करने के साथ गणमान्य नागरिकों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में उक्त संगठन के गुड़गांव, रोहतक, बहादुरगढ़, रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ संगठन शाखाओं की सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन श्रुति सोमाणी ने किया। सोमाणी कालेज की डायरेक्टर मंजू सोमाणी ने संस्थान की ओर से समाज के बच्चों को मुफ्त शिक्षा देने की बात भी कही।

आज से देश में तीन नए क्रिमिनल लॉ होंगे लागू

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। नए कानून के तहत अब भारत देश में कहीं भी जीरो एफआईआर दर्ज कराई जा सकेगी इसमें धाराएं भी जुड़ेंगी इसके अलावा प्रत्येक थाने में एक पुलिस अफसर की नियुक्ति होगी, जिसके पास किसी भी व्यक्ति की गिरफ्तारी से जुड़ी हर जानकारी होगी' बता दें की 1 जुलाई से 3 नए कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता व भारतीय साक्ष्य संहिताके लागू होने के बाद क्या-क्या नए बदलाव होने जा रहे हैं हथकड़ी लगाने के नियम में बदलाव- बार एसोसिएशन कनीना के पूर्व प्रधान एडवोकेट ओपी यादव ने बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 43(3) में गिरफ्तारी या अदालत में पेश करते समय कैदी को हथकड़ी लगाने का प्रावधान किया गया है' इस नियम के मुताबिक अगर कोई कैदी आदतन अपराधी है या पहले हिरासत से भाग चुका है या आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है, 'ड्रग्स से जुड़ा अपराधी हो, हत्या, रेप, एसिड अटैक, मानव तस्करी, बच्चों का यौन शोषण में शामिल रहा हो तो ऐसे कैदी को हथकड़ी लगाकर गिरफ्तार किया जा सकता है' अब तक कानून में हथकड़ी लगाने पर उसका कारण बताना जरूरी था इसके लिए मजिस्ट्रेट से इजाजत भी लेनी होती थी' साल 1980 में प्रेम शंकर शुक्ला बनाम दिल्ली सरकार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हथकड़ी के इस्तेमाल को अनुच्छेद 21 के तहत असंवैधानिक करार दिया था' कोर्ट ने कहा था कि अगर किसी अपराधी को हथकड़ी लगाने की जरूरत है तो उसकी इजाजत मजिस्ट्रेट से लेनी होगी। भगोड़े अपराधी पर भी चल सकेगा मुकदमा-पुराने कानून के मुताबिक किसी अपराधी या आरोपी पर ट्रायल तभी शुरू होता था, जब वो अदालत में मौजूद होता था' लेकिन नए कानून के मुताबिक अगर कोई अपराधी फरार है तो भी उसके खिलाफ मुकदमा चल सकता है' आरोप तय होने के 90 दिन के बाद भी अगर आरोपी कोर्ट में पेश नहीं होता है तो ट्रायल शुरू हो जाएगा' दया याचिका का बदला नियम-पुराने कानून में मौत की सजा पाए दोषी के सामने आखिरी रास्ता दया याचिका होती थी, सारे कानूनी रास्ते खत्म होने के बाद दोषी के पास राष्ट्रपति के समक्ष दया याचिका दायर करने का अधिकार होता था, दया याचिका दायर करने की कोई समय सीमा नहीं है' लेकिन भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 472(1) के मुताबिक सारे कानूनी विकल्प खत्म होने के बाद दोषी 30 दिन के भीतर राष्ट्रपति के सामने दया याचिका दायर करनी होगी' राष्ट्रपति का दया पर जो भी फैसला होगा, उसकी जानकारी 48 घंटे के भीतर केंद्र सरकार को राज्य सरकार के गृह विभाग और जेल सुपरिंटेंडेंट को देनी होगी'नए कानून में आतंकवाद की परिभाषा-पुराने कानून में आतंकवाद की परिभाषा नहीं थी. लेकिन नए भारतीय न्याय संहिता में पहली बार आतंकवाद को परिभाषित किया गया है' और इसे दंडनीय अपराध बनाया गया है' अगर कोई व्यक्ति देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को खतरे में डालने, आम जनता या उसके एक वर्ग को डराने या सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने के इरादे से भारत या किसी अन्य देश में कोई कृत्य करता है।

संक्षिप्त समाचार

बन्द फैक्टरी से सामान चोरी करने के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

समाचार गेट/ निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। गांव मीरपुर चौकी पुलिस ने बन्द फैक्टरी से सामान चोरी करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।जांचकर्ता ने बताया की दिनांक 29.06.24 को मोहल्ला बड़ा तालाब रेवाड़ी निवासी डा0 घनश्याम मितल ने अपनी शिकायत में बताया था की उसने गांव जीतपुरा में एक बन्द फैक्टरी खरीद रखी है। जिसमे कई दिन से दरवाजे, ट्रांसफोरमर का सामान, कैमरा आदि चोरी हो रहे थे जो आज किसी अनजान व्यक्ति ने उसको फोन पर सूचना दी कि उसकी फैक्ट्री मे कुछ व्यक्ति घुसे हुए है। जब उसने फैक्टरी में जा कर देखा तो तीन व्यक्ति दो मोटरसाईकिल वाली रिक्सा में फक्ट्री के दरवाजे, खिडकिया व जाली चोरी करके लाद रहे थे। जिनको काबू करके नाम पता पूछा तो उन्होंने अपना समीर रजा, कासिम व खालिद बताया है। जिस पर पुलिस ने थाना धारूहेड़ा में चोरी का मामला दर्ज करके मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए मामले में तीनो आरोपी यूपी के जिला बरेली के गांव औला हाल झुग्गी झोपडी बावल निवासी समीर रजा, यूपी के जिला बदायु के गांव उदयपुर हाल झुग्गी झोपडी बावल निवासी कासिम व यूपी के जिला बदायु के गांव बिदा नगला हाल झुग्गी झोपडी बावल निवासी खालिद को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों को पेश अदालत करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पलवल की तर्ज पर रेवाड़ी अनाज मंडी की दुकानों का किया जाए कंप्लीशन

समाचार गेट/ निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ ने रेवाड़ी ग्रीवेंस कमेटी अध्यक्ष, शिक्षा मंत्री हरियाणा सरकार सीमा त्रिखा को अनाज मंडी रेवाड़ी में दुकानों की कंप्लीशन को लेकर एक माँग पत्र दिया है। इस मौके पर राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एड्वोकेट भूपेंद्र सिंह, हरियाणा प्रदेश के महासचिव सुरेन्द्र वशिष्ठ , जिला अध्यक्ष दीपेश भार्गव और अनाज मंडी के व्यापारी मौजूद रहे। भूपेंद्र सिंह ने कहा की ये समस्या रेवाड़ी की नहीं पूरे हरियाणा प्रदेश की है । जिस तरह से एक स्पेशल पॉलिसी बनाकर जिला पलवल अनाज मंडी और सब्जी मंडी की दुकानों को कंप्लेशन दी गई है, उसी तरह हरियाणा में प्रत्येक अनाज मंडी, फल व सब्जी मंडी की दुकानों को कंप्लेशन देने का कार्य करे सरकार। व्यापारी सरकार को नियमित रूप से टैक्स देता है। उसकी हर परेशानी का समाधान करना सरकार का दायित्व है। राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट भूपेंद्र सिंह ने हरियाणा के मुख्यमंत्री से विनम्र आग्रह करते हुए कहा कि इस कार्य को शीघ्र अतिशीघ्र कराए। इस मौके अनिल गुप्ता, नरेश मित्तल,हितेश कुमार, अजय कुमार, सुजान सिंह,नरेंद्र कुमार, राकेश कुमार, ललित कुमार, रमेश चंद, मनोज कुमार, संजय कुमार एवं अनेकों अनाज मंडी व्यापारी मौजूद रहे।

पेट्रोल पम्प से कैश चोरी करने वाला आरोपी मैनेजर गिरफ्तार

समाचार गेट/ निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी।एसपी गौरव राजपुरोहित के दिशा निर्देश में कार्य करते हुए अपराध शाखा-करेवाड़ी इंचार्ज निरीक्षक सुमेर सिंह की टीम ने पेट्रोल पम्प से कैश चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।जांचकर्ता ने बताया की दिनांक 10.06.24 को सेक्टर 10 गुरुग्राम निवासी राहुल यादव ने अपनी शिकायत में बताया था की उसका रोहडाई मोड़ के नजदीक गुरु छाया पेट्रो मोबाईल के नाम से पेट्रोल पम्प है।

नगरपरिषद की लापरवाही से डूब रही रेवाड़ी : कैप्टन अजय सिंह

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। सिर्फ 2 दिनों की बरसात ने रेवाडी शहर वासियों का जीना दुर्भर कर दिया है। नई अनाज मंडी, पुरानी सब्जी मंडी, भाडावास गेट, कई कालोनियों में बरसाती पानी भर गया है। बरसात खत्म होने के घंटों बाद तक भी पानी नही निकल पा रहा है। परेशान लोगों ने पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव से गुहार लगाई तो कैप्टन अजय सिंह यादव ने नई अनाज मंडी और पुरानी सब्जी मंडी का मौके पर पहुँच कर जायजा लिया और मौके से डीएमसी को फोन भी किया और लोगों को समस्या से निजात दिलाने के लिए कहा।कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहा कि आखिर प्रशासन समय पर अपना काम क्यों नही करता। जब पता था कि बरसात का मौसम चल रहा है और कभी भी बरसात हो सकती है तो नालों की सफाई समय से क्यों नही करवाई गई। नगर परिषद की चेयरमैन आखिर किस लिए चुनी गई है। क्या उनको शहर का जायजा नही लेना चाहिए था कि नालों की सफाई हुई है या नही। इसके अलावा ई ओ की क्या ड्यूटी होती है। अधिकारियों को दफ्तर से बाहर निकलकर जनता की समस्याओं को देखना चाहिए.कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहा आज पूरा शहर त्राही त्राही कर रहा है। मैंने अखबारों में भी देखा है कई कालोनियों में सिवर ओवरफ्लो हो रहे हैं। लोगों का जीना दुर्भर हो रहा है, सिविर का पानी सडकों पर जमा हो गया है। लोगों का निकलना मुश्किल हो रहा है फिर भी प्रशासन कुंभकर्णी निंद में सोया हुआ है। नगर परिषद में भष्ट्राचार का आलम है, जहां पैसा दिखाई देता है वही काम करते हैं। आम जनता की सुविधा के लिए अपने कार्यालयों से बाहर नही निकलते। कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहा प्रदेश सरकार के मंत्री भरी विधानसभा में बोलते हैं कि रेवाडी शहर में अब कोई पानी नही भरता, यदि उनको जनता के लिए समय हो तो एक बार मौका मुआवना करें।

डी-प्लान के तहत जिला में खर्च होंगे 14 करोड़ 20 लाख रूपए : शिक्षा मंत्री सीमा

समाचार गेट/ निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। जिला विकास एवं निगरानी समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने बताया कि वर्ष 2024-25 के दौरान रेवाड़ी जिला में डी-प्लान के तहत 14 करोड़ 20 लाख 56 हजार रुपए की राशि खर्च की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों से विकास कार्यों की डिमांड लेकर इनकी एक प्रस्ताव तैयार की जाए। स्थानीय बालभवन परिसर में आयोजित हुई जिला नगर एवं निगरानी समिति की बैठक में उपायुक्त राहुल हुड्डा ने बताया कि पिछले साल 2023-24 में डी-प्लान के अंतर्गत 6 करोड़ एक लाख 75 हजार की राशि सामुदायिक विकास कार्यों के लिए पंचायती राज, नगर परिषद व अन्य विभागों को जारी की गई थी। जिनकी उपयोगिता रिपोर्ट आ चुकी है। उन्होंने बताया कि इस साल में 8 करोड़ 52 लाख 34 हजार की राशि को सामान्य वर्ग के लिए तथा 5 करोड़ 68 लाख 22 हजार रुपए अनुसुचित वर्ग के सामुदायिक विकास कार्यों पर खर्च किए जाएंगे।

अतिरिक्त उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने बताया कि इस वर्ष में गलियों और नालियों के निर्माण पर तीस प्रतिशत एवं शिक्षा, सामुदायिक भवन, स्वास्थ्य, जलापूर्ति, सिंचाई, खेल, आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण आदि पर 70 प्रतिशत राशि खर्च की जाएगी।शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने कहा कि निष्पक्ष, पारदर्शी व गुणवत्ता के आधार पर इस राशि को विकास कार्यों के लिए उपयोग में लाया जाए। इसके लिए विधायक, सांसद, चेयरमैन एवं अन्य जनप्रतिनिधियों से उनके द्वारा प्रस्तावित विकास कार्यों की सूची मांग ली जाए।

उसके बाद इन कार्यों के एस्टीमेट तैयार करवाए जाएं। उन्होंने कहा कि सामाजिक विकास के काम अधिक से अधिक करवाए जाने चाहिए, ताकि सभी वर्गों को इनका लाभ मिल सके। इस मौके पर एसडीएम कोसली उदय सिंह, एसडीएम बावल मनोज कुमार भी उपस्थित रहे।

आम जनमानस की शिकायतों का समय पर हो समाधान-शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा

समाचार गेट/ निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने ट्रैक्टर चोरी के एक मामले में पुलिस विभाग को फिर से कार्यवाही शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखकर पुलिस अधीक्षक स्वयं इस मामले की जांच करवाएं।

स्थानीय बाल भवन के सभागार में आयोजित हुई जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में आज कुल 16 परिवार रखे गए, जिनमें से 11 का मौके पर समाधान कर दिया गया और पांच मामलों को लंबित रखते हुए उनमें प्रभावी किए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं। बैठक में उपायुक्त राहुल हुड्डा, पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित, अतिरिक्त उपायुक्त अनुपमा अंजलि, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीतम चौहान, नगर परिषद चेयरमैन पूनम सहित अनेक अधिकारी, जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में गांव हालियावास निवासी मुकेश ने बताया कि पांच साल पहले उसका ट्रैक्टर चोरी हो गया था। इस मामले में उसके पास सीसीटीवी फुटेज है, जिसमें पांच आदमी ट्रैक्टर ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। डीएसपी आशीष ने बताया कि इस केस की तीन बार जांच करवाई गई। एक आरोपी को पुलिस प्रोडक्शन वारंट पर भी लेकर आई, लेकिन आरोप साबित नहीं हुआ। अब इस केस को अनट्रेस की सूची में डाल दिया गया है। शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने निर्देश

दिए कि वादी द्वारा दी गई सीसीटीवी फुटेज की पुलिस अधीक्षक जांच कर इस मामले में फिर से कार्यवाही करें। गांव बोहतवास अहीर निवासी बाबूलाल ने अपनी शिकायत में बताया कि करीब आठ महीने पहले उसके बेटे की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को तो पकड़ लिया है, लेकिन बाकी दो आरोपी अभी गिरफ्तार नहीं किए गए हैं। डीएसपी आशीष ने बताया कि जो दो और आरोपी बताए जा रहे हैं, उनसे पूछताछ की जा चुकी है, किंतु उनका आरोप साबित नहीं हुआ। अब उनका पोलिग्राफिक टेस्ट करवाया जाएगा। शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने कहा कि पुलिस अधीक्षक स्वयं एक सप्ताह में इस मामले में ठोस कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करे। अगर कोई दोषी है तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए। ओमप्रकाश नामक एक व्यक्ति ने नगर परिषद की भूमि पर कोर्ट रोड पर बनी एक दुकान की जमीन ऑक्शन में खरीदने के बावजुद उसके नाम नहीं होने की शिकायत रखी। नगर परिषद अधिकारी ने बताया कि वर्ष 1990 में इन भूखंडों की नीलामी की गई थी। अभी तक कोई ऐसा दस्तावेज नहीं मिला है,

जिससे ओमप्रकाश का मालिकाना हक साबित होता हो। इस पर शिक्षा मंत्री ने निर्देश दिए कि परिवादी एक सप्ताह में अपने पुख्ता दस्तावेज प्रस्तुत करें, उसके बाद ही इस शिकायत पर विचार किया जाएगा। शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने बैठक में विभिन्न मामलों की सुनवाई करते हुए अधिकारियों को समय पर जन शिकायतों का निवारण किए जाने के निर्देश दिए। जिससे कि आम जनता को न्याय के लिए इधर-उधर भटकना ना पड़े। उपायुक्त राहुल हुड्डा ने शिक्षा मंत्री को आश्वस्त किया कि बैठक में जो निर्देश दिए गए हैं, उनकी पालना सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर कोसली के एसडीएम उदय सिंह, बावल के एसडीएम मनोज कुमार, रेवाड़ी के एसडीएम विकास यादव, जिला राजस्व अधिकारी राकेश कुमार, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेंद्र सारवान, रामपाल यादव इत्यादि उपस्थित रहे।

लोकसभा में हाफ करने के बाद विधानसभा से बीजेपी को साफ करने का मिशन हुआ शुरू- हुड्डा

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। महेंद्रगढ़ लोकसभा चुनाव में बीजेपी को हाफ करने के बाद कांग्रेस ने प्रदेश से बीजेपी को पूरी तरह साफ करने का मिशन शुरू कर दिया है। जबतक ये मिशन पूरा नहीं होगा, कांग्रेस का एक भी नेता व कार्यकर्ता घर नहीं बैठेगा। अगले 3 महीने सिर्फ और सिर्फ जनसंपर्क और जनता के मुद्दों के लिए संघर्ष ही हमारा एकसूत्री कार्यक्रम है। ये कहना है पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का हुड्डा आज नारनौल में धन्यवाद कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करने यहां पहुंचे थे। इस मौके पर हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी उदयभान, लोकसभा प्रत्याशी रहे राव दानसिंह और पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेताओं के साथ हजारों की तादाद में कार्यकर्ता मौजूद रहे। भीषण गर्मी के बीच कार्यकर्ताओं की तादाद व जोश देखते ही बनता था। कार्यकर्ताओं ने एक सुर में ऐलान किया कि लोकसभा चुनाव में जो कसर रह गई थी, उसे विधानसभा में पूरा कर दिया जाएगा और इसबार भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा की सभी 9 सीटों पर कांग्रेस की जीत होगी।भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि 10 साल बीजेपी ने अहीरवाल की भयंकर अनदेखी की है। विकास कार्यों से लेकर पानी तक हर मसले पर बीजेपी ने इलाके की मांगों को नजरअंदाज किया है। देश और प्रदेश में बीजेपी की सरकार और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बावजूद भाजपा ने र.वा का पानी लाने के लिए एक भी कदम आगे नहीं बढ़ाया। ऐसे ही अनदेखी हांसी-बुटाना नहर की भी हुई। कांग्रेस कार्यकाल के दौरान प्रदेश के हक का पानी लाने के लिए हांसी-बुटाना नहर का निर्माण किया गया था। लेकिन मामला कोर्ट में गया तो बीजेपी ने इसकी पैरवी तक नहीं की हुड्डा ने कहा कि बीजेपी ने विकास में नंबर वन रहे हरियाणा को क्राइम स्टेट बनाकर रख दिया है। बदमाश इतने बेखौफ हो चुके हैं कि वो जिससे मर्जी फिरौती मांगते हैं और जिसको मर्जी गोली मार देते हैं। चोरी, लूट, डकैती, फिरौती, हत्या और रेप जैसी वारदातें लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन गई हैं। इसलिए जनता इस खौफ के साम्राज्य का खात्मा चाहती है। 36 बिरादरी ने इसबार प्रदेश में कांग्रेस की सरकार लाने का मन बना लिया है। अब कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जन-जन के पास जाकर बताना है कि पार्टी की सरकार बनने पर क्या कार्य किए जाएंगे। हुड्डा ने ऐलान किया कि कांग्रेस सरकार बनने पर हरेक बुजुर्ग को 6000 रुपये पेंशन दी जाएगी। कर्मचारियों को पुरानी पेंशन स्कीम का लाभ मिलेगी। जनता को महंगाई से राहत देने के लिए 300 यूनिट मुफ्त बिजली और 500 में गैस सिलेंडर दिए जाएंगे। बीजेपी ने प्रदेश के युवाओं को बेरोजगारी और भर्ती घोटालों के अंधकार में धकेल दिया है। उन्हें वहां से निकालने के लिए खाली पड़े 2 लाख से ज्यादा पदों पर पक्की भर्तियां की जाएंगी।

पेपर लीक और भर्ती माफिया का सफाया करके योग्यता अनुसार मेरिट के आधार पर साफ-सुथरी भर्तियां की जाएंगी। हरियाणा में भी राजस्थान की कांग्रेस सरकार की तर्ज पर 25 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा की योजना लागू की जाएगी।भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस की जिन कल्याणकारी योजना को बीजेपी ने बंद कर दिया था, उन्हें फिर से शुरू करते हुए गरीब, एससी और ओबीसी परिवारों को 100-100 गज के मुफ्त प्लॉट और उसपर दो कमरे के मकान दिए जाएंगे। साथ ही पिछड़ा वर्ग को आरक्षण का पूर्ण लाभ देने के लिए क्रीमी लेयर की लिमिट को 8 से बढ़ाकर 10 लाख किया जाएगा। बीजेपी ने लिमिट को 8 लाख से घटाकर 6 लाख किया था, जिससे ओबीसी वर्ग का आरक्षण लगभग खत्म हो गया इस मौके पर चौधरी उदयभान ने कहा कि चुनाव में बीजेपी की हार तय हो चुकी है। इस बात का अहसास खुद बीजेपी को भी हो गया है।

इसलिए वो जाते-जाते कांग्रेस की घोषणाओं की नकल करते हुए, कई फर्जी घोषणाएं कर रही है। लेकिन जनता को यह बात अच्छे पता है कि बीजेपी अपना कोई भी वादा पूरा नहीं करती। इसलिए जनता बीजेपी के झांसे में नहीं आने वाली।उन्होंने कहा कि बीजेपी ने अहीरवाल से वोट लेकर हमेशा उसे धोखा दिया है। अहीरवाल के एक बड़े नेता 10 साल पहले मुख्यमंत्री बनने की चाह में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में गए थे। लेकिन आज बीजेपी में जाकर ना सीएम बन पाए और ना ही कैबिनेट मंत्री। बीजेपी ने उन्हें पूरी तरह हाशिए पर धकेल रखा है और भविष्य की उम्मीदों को भी धूमिल कर दिया है। अब अमित शाह ने भी ऐलान कर दिया है कि बीजेपी के मुख्यमंत्री उम्मीदवार तो नायब सैनी ही रहेंगे।

शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा के परिवार के साथ लाखों की साइबर ठगी

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। प्रदेश की शिक्षा राज्य मंत्री सीमा त्रिखा के देवर अतुल त्रिखा के साथ साईबर ठगों द्वारा लगभग सवा लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। अतुल त्रिखा ने ठगी की घटना के तुरंत बाद 26 जून को ही पुलिस को घटना की जानकारी व शिकायत दे दी थी, उन्होंने पुलिस को ठग का मोबाइल फोन नंबर व उसकी बैंक डिटेल भी उपलब्ध करवा दी थी। परंतु पुलिस ने कोई कार्रवाई करने की बजाय तीसरे दिन यानि 28 जून को इसका मुकदमा दर्ज करने की औपचारिकता पूरी की। इस घटना और पुलिस की कारवाई ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। त्रिखा ने जयपुर में अपने एक फ्लैट को बेचने के लिए एक ऑनलाइन प्रॉपर्टी साईट मैजिक ब्रिक्स में अपने फ्लैट की डिटेल दी। जिसके उपरांत उन्हें एक व्यक्ति ने फोन करके कहा कि वह उनका फ्लैट खरीदना चाहता है और उसने खुद को फौजी बताया। उसने उन्हें व्हाट्सएप पर अपना फर्जी आई कार्ड भी भेजा ताकि विश्वास हो जाए कि वो फौजी ही है। करीब तीन दिन तक वह लगातार त्रिखा से फ्लैट खरीदने के लिए कीमत का मोलभाव कर बात करता रहा और विश्वास हासिल कर उनसे 1.23 लाख रुपए ठग लिए। ठगी की वारदात होते ही अतुल त्रिखा ने इसकी जानकारी तुरंत सरकार के ऑनलाइन साईबर पोर्टल सहित स्थानीय पुलिस के साईबर थाने में की। उन्होंने स्थानीय पुलिस को ठग का मोबाईल फोन नंबर भी उपलब्ध करवाया और बताया कि उक्त फोन चालू है। यही नहीं उन्होंने थाना इंचार्ज के सामने बैठ कर भी ठग से बात की और उसे जिक्र तक नहीं किया कि उन्होंने उसकी शिकायत पुलिस से कर दी है।शिकायतकर्ता का कहना है कि ये सब होने के बावजूद भी पुलिस ने ना तो ठग की लोकेशन लेने की कोशिश की और ना ही एफआईआर दर्ज की। पुलिस ने ढील बरतते हुए तीसरे दिन एफआईआर दर्ज की। पुलिस की इस कार्यशैली ने उसकी कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। यदि पुलिस मंत्री के परिवार के साथ ठगी के मामले में इतनी ढिलाई बरत रही है तो आम जनता के साथ क्या होता होगा, अंदाजा लगाया जा सकता है। इस मामले में जब साइबर थाना प्रबंधक अमित शर्मा से बात की गई तो उन्होंने कहा उनके लिए मंत्री या उनका परिवार कोई महत्व नहीं रखता, वो भी जनता की तरह हैं। मामले की तकनीकी पड़ताल की जा रही है, कुछ मिला तो कार्रवाई की जायेगी, फिलहाल भारतीय दंड संहिता की धरा 420 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर जहां पूरी सरकार अफसरों को अपना रवैया सुधारने और जन समस्याएं समाप्त करने के प्रयास में लगी है, वहीं पुलिस में फैला भ्रष्टाचार और जनता के साथ नकारात्मक रवैया कैसे सरकार और भाजपा की नैय्या पार लगने देगा या उनकी नैय्या डुबो कर ही मानेगा, ये इसका जीता जागता उदाहरण है।पुलिस के पास मंत्री परिवार की शिकायत के साथ साथ ठग का वो मोबाईल फोन नंबर जो चल रहा है, उसका खाते की पूरी डिटेल भी उपलब्ध करवा दी गई उसके बावजूद भी कोई कार्रवाई करना तो दूर मुकदमा भी 3 दिन बाद दर्ज किया गया।

सरकार के लिए विपक्ष से ज्यादा बड़ा चैलेंज ऐसे कर्मी और अधिकारियों की कार्यशैली है। आखिर कैसे नैय्या पार लगेगी भाजपा की और कैसे तीसरी बार सरकार बना पाएगी, जब हरियाणा सरकार के साथ साथ केंद्र सरकार के गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, मनोहर लाल खट्टर, सीएम नायब सैनी और समस्त पार्टी हरियाणा में पुनः सरकार बनाने के प्रयास में जुटे हैं और दूसरी तरफ अफसरों और पुलिस का रव्वैया सबके सामने है।

सडक बनाने पर धन्यवाद करने विधायक राजेश नागर के घर पहुंचे आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। सेक्टर 85 आरडब्ल्यूए ने आज विधायक राजेश नागर का उनके घर पर जोरदार सम्मान किया। लोगों ने कहा कि विधायक नागर ने एक बार कहने पर ही उनकी मुख्य सडक बनवा दी जिससे उन लोगों को बड़ी सुविधा मिली है।

लोगों ने बताया कि अभी थोड़ा ही समय हुआ है जब उन्होंने विधायक श्री नागर को अपनी समस्या बताई थी जिस पर उन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए सोसाइटी के बाहर की मुख्य सडक को बनवा दिया है।

इससे आने-जाने वालों को बड़ा लाभ हुआ है, विशेष कर स्कूल जाने वाले बच्चों को इससे बड़ी सुविधा मिली है। सोसाइटी के निवासियों ने विधायक को पगड़ी पहनाई और फूलों का बुके देकर कहा कि आप इसी प्रकार हमारा सहयोग करते रहें हम हमेशा आपके साथ बने रहना चाहते हैं।

बता दें कि ए-ब्लॉक के सामने की 24 मीटर रोड काफी जर्जर हालत में थी। लेकिन बिल्डर इसे बना नहीं रहा था। जिसकी जानकारी मिलने पर विधायक राजेश नागर ने बिल्डर बीपीटीपी पर दबाव बनाकर सडक का नव. निर्माण करवाया है।

इस अवसर पर विधायक राजेश नागर ने ब्लॉक में लोगों के स्वास्थ्य और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विधायक फंड से दो लाख रुपए का अनुदान देने की घोषणा भी की।

विधायक राजेश नागर ने उपस्थित सभी आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों और गणमान्य निवासियों से कहा कि वह उनकी सेवा करने के लिए हमेशा उपलब्ध रहते हैं

और आप सभी ने कभी भी न मुझे और न कभी मेरी पार्टी को कहने का अवसर दिया। यही कारण है कि तिगांव लगातार तीसरे चुनाव में सर्वाधिक वोट दे रहा है।

इस अवसर पर आरडब्ल्यूए पदाधिकारी तरुण नागपाल, प्रधान प्रफुल्ल शर्मा, उप.प्रधान विश्व दीप, जनरल सेक्रेटरी मनीष गोयल, सेक्रेटरी योगेश गुप्ता, कैशियर पवन नागपाल, मेंबर अरुण दुबे, मेंबर दीपक गोयल, निवासी विशाल दीप, पंकज शर्मा, आर एन शर्मा आदि विशेष रूप से शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

पुजारी को चाकूओं से गोदने पर माहौल गमार्या, भडके लोगों का आरोपी के घर पर हमला

समाचार गेट/एजेंसी

फरीदाबाद। न्यू जनता कालोनी स्थित नौ रूप काली मंदिर के पुजारी और भाजपा कार्यकर्ता पर हुए हमले के बाद 2 समुदाय में विवाद बढ़ गया। आरोप है कि यह हमला समुदाय विशेष के लोगों के द्वारा किया गया। इतना ही नहीं, उन्होंने जाते हुए धार्मिक नारे भी लगाए।इसके बाद हिंदू संगठनों से जुड़े लोगों ने विशेष समुदाय के आरोपी के घर में घुसकर तोडफोड़ की। पुलिस ने इस मामले में बिट्टू बजरंगी व अन्य 3 के खिलाफ धार्मिक भावनाएं भडकाने व अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।रवि भगत का एक प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। हरियाणा के मंत्री मूलचंद शर्मा रविवार को उनका हाल जानने अस्पताल पहुंचे।फरीदाबाद की जनता कॉलोनी में मंदिर का पुजारी रवि कश्यप उर्फ भगत जी 28 जून की रात को अपने घर के बाहर सो रहा था। इसी बीच कुछ लोगों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। शरीर में कई जगह चाकू से वार किए गए। उनकी पत्नी घर के बाहर आई और उसने शोर मचा दिया। इसके बाद हमलावर भाग गए।परिवार का आरोप है कि हमला समुदाय विशेष के लोगों द्वारा किया गया। उन्होंने रवि को चाकू मारते हुए तकबीर और सर तन से जुदा के मजहबी नारे लगा रहे थे। हालांकि पुलिस ने वारदात के बाद जिन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है, उनमें समुदाय विशेष के अलावा एक दूसरे समुदाय के युवक का नाम भी आया है।इसमें सारन थाना पुलिस ने मेहताब, गोलू, इकबाल, साजिद व गोलू बाधवा के खिलाफ धारा 147, 148, 149, 323, 324, 452 व 506 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।भीड़ ने घर में की तोडफोड़रवि भगत को चाकू से गोदने की खबर के बाद लोग गुस्सा उठे। लोगों की भीड़ ने आरोपी मेहताब के घर में घुस गई। भीड़ ने घर में घुसकर तोडफोड़ की व हंगामा किया। पुलिस ने घर में तोडफोड़ करने के मामले में निखिल, राहुल, काजल के खिलाफ धारा 147, 149, 452, 427, 295 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।बिट्टू बजरंगी ने भडकाऊ पोस्ट डालीविवाद के बाद नूंह हिंसा के आरोपी बिट्टू बजरंगी ने सोशल मीडिया पर भडकाऊ पोस्ट डाली। बिट्टू ने सोशल मीडिया पर लिखा एक हमारा हिंदू भाई रवि पुजारी रवि भगत के नाम से है। जनता कॉलोनी शमशान घाट के सामने समुदाय विशेष ने गला काट दिया। वह एस्कॉर्ट हॉस्पिटल में सीरियस हालत में है। सभी सनातनी हिंदू भाई जनता कॉलोनी श्मशान घाट के सामने रवि भाई का काली मंदिर है, 11 बजे सभी भाई पहुंचे और वहां जाकर एकता दिखाएं। मैं पंचकूला हूं सुबह मॉर्निंग में निकल गया था। रात तक लौटूंगा इसलिए उपस्थित नहीं हो सकता है।इसके बाद पुलिस ने बिट्टू बजरंगी के खिलाफ भी धारा 295 (धार्मिक भावना भडकाना) 153 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया।क्या कहते है पुलिस प्रवक्तापुलिस प्रवक्ता यशपाल के अनुसार जो भी कोई व्यक्ति धार्मिक भावनाओं को भडकाने वा ठेस पहुंचाने का काम करेगा, पुलिस उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई करेगी।मुख्यमंत्री ने हमलावरों की गिरफ्तार के आदेश दिएमंदिर के पुजारी एवं भाजपा के कार्यकर्ता रवि भगत के मामले को प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नेसंज्ञान लेते ही फरीदाबाद पुलिस कमिश्नर को इस मामले में हमलावरों के साथ सख्त कार्रवाई करने और तुरंत गिरफ्तार करने के आदेश दिए है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री सैनी ने कहा है कि प्रदेश में गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वह आज फरीदाबाद में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हरियाणा प्रांत संपर्क प्रमुख स्वर्गीय गंगा शंकर मित्र के निधन पर शोक व्यक्त करने पहुंचे थे। इस दौरान उनके संज्ञान में यह मामला आया तो उन्होंने पुलिस कमिश्नर फरीदाबाद राकेश आर्य को फोन कर इस मामले में सख्त कार्रवाई के आदेश दिए।

गुमशुदा 19 वर्षीय लडके को पुलिस चौकी सिकरोना की टीम ने तलाश कर किया परिजनों के हवाले

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। घर से लापता लडके को तलाश कर परिजनों के हवाले करने का सराहनीय कार्य किया है।पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस चौकी सिकरोना में सेक्टर-56 के रहने वाले एक व्यक्ति ने अपनी शिकायत में बताया कि उसका लडका अपने कॉलेज डीआईटीएम कॉलेज गांव जखोपुर में रोल नम्बर लेने के लिए गया था। जिसका फोन बंद जा रहा है। अपने लडके की उन्होंने अपने तौर पर काफी तलाश की है लेकिन नही मिला। पुलिस चौकी में प्राप्त सूचना पर अभियोग अंकित कर लडके की तलाश की जा रही थी। जिसमें तकनीकी माध्यमों की सहायता ली गई। जिसके संबंध में पुलिस टीम ने काफी तलाशी की। काफी प्रयास करने के बाद पुलिस टीम ने ग्राम आलमपुर धौज के नजदीक पेट्रोल पंप से गुमशुदा लडके को तलाश किया है। जिसके बाद लडके के ब्यान कर परिवारजनों के हवाले किया है।

मारवाड़ी युवा मंच फरीदाबाद ने लगाया "अमृत धारा" प्रोजेक्ट के अंतर्गत वाटर कूलर

हमारा उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को स्वच्छ पानी उपलब्ध हो : विमल खंडेलवाल

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। मारवाड़ी युवा मंच फरीदाबाद ने फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन कार्यालय के बाहर पर एक वाटर कूलर लगाया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी दुर्गा प्रसाद लोचीब व सजना लोचिब ने वाटर कूलर का रिबन काटकर उद्घाटन किया। फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन के प्रधान सुभाष शर्मा और महासचिव शिव कुमार ने मारवाड़ी युवा मंच का फूल देकर स्वागत किया और इस पुनीत कार्य के लिए आभार भी प्रकट किया।

दुर्गा प्रसाद लोचीब ने बताया कि मारवाड़ी युवा मंच सदैव मानवता के कार्य बढ़चढ़ कर अपनी भूमिका सामाजिक हित में निभाता है। हमारा भी दायित्व बनता है कि इसके इस पुनीत कार्य में हम सहभागी बन सकें। पूरी टीम को इस पुनीत कार्य की बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं मैं प्रेषित करता हूं। मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष विमल खंडेलवाल ने बताया कि तकरीबन अभी तक फरीदाबाद के विभिन्न क्षेत्रों में 12 वाटर कूलर उनकी संस्था के माध्यम से लगाए जा चुके हैं। हमारी संस्था का उद्देश्य लोगों को शुद्ध आरो का पानी उपलब्ध करा सके इस क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है। जैसा कि मानसून आ चुके हैं अगला कार्यक्रम शहर में ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर हम पर्यावरण को शुद्ध बना सके उसे क्षेत्र में काम किया जाएगा। इस पुनीत कार्य में फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन का बहुत सहयोग रहा है हम उन की पूरी टीम को बहुत-बहुत साधुवाद प्रेषित करते है। निवर्तमान अध्यक्ष महेश लोचीब ने बताया कि हम सभी को मिलकर सामाजिकता के कार्य निरंतर करते रहना चाहिए। शहर भी हमारा है जिम्मेदारी भी हमारी है। निरंतर इस जिम्मेदारी को आगे भी हम बखूबी तरीके से निभाने का काम करेंगे।

फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन के प्रधान सुभाष शर्मा ने इस पुनीत कार्य के लिए मारवाड़ी युवा मंच का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वाटर कूलर लगने से बीके अस्पताल में आने वाले मरीजों अथवा तीमारदारों को पीने के पानी के लिए इधर उधर भटकना नहीं पड़ेगा। वाटर कूलर लगने से मरीजों को शुद्ध एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि इसका लाभ आम आदमी से लेकर राहगीर और उस रास्ते से गुजरने वाले रिक्शा चालक, ऑटो चालक, ठेला चालक और एम्बुलेंस चालकों को भी मिलेगा। फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन महासचिव शिव कुमार ने कहा कि कार्यालय के पास नगर निगम मुख्यालय भी है। वह हर दिन हजारों लोग अपनी शिकायतों और दूसरे जरूरी काम के लिए आते हैं। वाटर कूलर लगाने से नगर निगम मुख्यालय आने वाले फरियादियों और कर्मचारियों को भी राहत मिलेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष विमल खंडेलवाल निवर्तमान अध्यक्ष महेश लोचीब, पूर्व अध्यक्ष कमल गुप्ता, नारायण शर्मा, सचिव निकुंज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल,नवीन शर्मा,मधुसूदन माटोलिया, विनीत अग्रवाल, कपिल महेश्वरी, माहिरा लोचिब,जोविता शेओरन,महेश गट्टानी,अशोक महेश्वरी,अभय चौहान, महेश यादव एवं अन्य समाज के प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे।

सीटू 21 जुलाई को श्रम मंत्री मूलचंद शर्मा व 28 जुलाई को शिक्षा मंत्री त्रिखा के निवास पर करेगें प्रदर्शन

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। प्रदेश सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ सीटू ने संघर्ष करने का ऐलान किया। सीटू के सैकड़ों मजदूरों आगामी 21 जुलाई को प्रदेश के श्रम मंत्री मूलचंद शर्मा के आवास पर जोरदार प्रदर्शन करेंगे। इस प्रदर्शन में प्रदेश के भवन निर्माण कामगार यूनियन, वन मजदूर, ग्रामीण चौकीदार सभा के हजारों कार्यकर्ता भाग लेंगे। इसके बाद 28 जुलाई को शिक्षा मंत्री श्रीमती सीमा तिरखा के आवास पर प्रदर्शन किया जाएगा। इस प्रदर्शन में प्रदेश की मिड डे मील वर्कर बड़ी संख्या में भाग लेंगी। इससे पहले 10 जुलाई को फरीदाबाद के सैकड़ो मजदूर जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन करेंगें। इसके साथ-साथ 11 जुलाई को परियोजना कर्मी जिसमें आंगनवाड़ी वर्कर और हेल्पर यूनियन, आशा वर्कर यूनियन और मिड डे मील वर्कर यूनियनऐं शामिल है। इनके हजारों कार्यकर्ता अपनी मांगों के प्रति सरकार का उदासीन रवैए को देखते हुए जोरदार धरना प्रदर्शन करके सरकार के नाम ज्ञापन भेजेंगे। यह जानकारी आज सीटू के जिला सचिव वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने दी। उन्होंने बताया कि सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों को देखते हुए सीटू ने चरण बद्ध आन्दोलन की घोषणा की। यह निर्णय आज सीटू के बसेलवा कालोनी स्थित आफिस में हुई जिला स्तर की विस्तारित मीटिंग में लिया गया। इसकी अध्यक्षता जिला प्रधान निरंतर पाराशर ने की। इस सभा सभा को राज्य महासचिव जय भगवान ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सीटू की मुख्य मांगों में न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपए करने और औद्योगिक श्रमिकों की मांगों और समस्याओं का समाधान करने, ठेका प्रथा पर रोक लगाने, सभी प्रकार के कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने जैसी मांगे शामिल हैं।उन्होंने ने कहा कि पिछले 10 सालों में भाजपा सरकार ने न्यूनतम वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं की। नियमों के अनुसार प्रत्येक 5 साल में मजदूरों के वेतन में बढ़ोतरी होनी चाहिए। उन्होंने कहा की मजदूर हितों के लिए बने अलग-अलग बोर्डों में केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों को लेने के बजाय सरकार ने अपने चहेतों को जगह दी है। जिनका मजदूरों से दूर-दूर का भी रिश्ता नहीं है। एक तरफ बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी प्रदेश में विकराल रूप धारण कर चुकी है। दूसरी तरफ डबल इंजन की सरकार अपने जायज हकों की प्राप्ति के लिए आंदोलन करने वाले अलग-अलग तबकों पर पिछले 10 साल से जबरदस्त दमन चक्कर चला रखा है। भाजपा के इस तानाशाहीपूर्ण रवैया के खिलाफ लोकसभा चुनाव में जनता ने उसे सबक सिखाया है, परंतु भाजपा सरकार हार के बावजूद भी अपनी जनविरोधी नीतियों को बदलने के लिए तैयार नहीं है। और दुष्प्रचार करके जन आक्रोश को भ्रमित करने में लगी हुई है।आज की बैठक को शिवप्रसाद, विजय झा, देवीराम, वीरेंद्र पाल सिंह, सुधा, देवेन्द्री, राजेंद्र सिंह, नवल सिंह, रामसागर, रामतीरथ, मुकेश भड़ाना, कमलेश, मालवती, राकेश शर्मा, सविता, दिनेश पाली, राजू, रवि, केपी सिंह आदि ने भी संबोधित किया।

फरीदाबाद पुलिस एक जुलाई से नए कानूनों के अंतर्गत करेगी कानूनी कार्रवाई

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। भारत सरकार द्वारा न्याय प्रणाली में लागू किए गए तीन कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएस) एक जुलाई 2024 से लागू हो जाएंगे। ब्रिटिश काल में सन 1860 में अंग्रेजों की ओर से आईपीसी (भारतीय दंड संहिता)लागू की गई थी] जिसे अब भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) का नाम दिया गया है। इसी प्रकार दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 लागू की गई है,

जबकि तीसरा बदलाव भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 को भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएस)2023 में किया गया है। नये कानून में आतंकवाद, संगठित अपराध को भी धाराओं के रूप में शामिल किया गया है।

क्राइम सीन की वीडियोग्राफी, ऑडियो रिकॉर्डिंग, फोटोग्राफी साक्ष्य माना जाएगा। नए कानून के साथ ही डिजिटल एविडेंस पर ज्यादा जोर दिया गया है।पुलिस प्रवक्ता ने इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य के दिशा-निर्देश के अंतर्गत फरीदाबाद पुलिस के थाना चौकी क्राइम ब्रांच में तैनात 1400 से अधिक अनुसंधान अधिकारियों को इन तीन नए कानून के बारे में प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षित किया गया है जो एक जुलाई से इन नए कानून के आधार पर कानूनी कार्रवाई करेंगे।

भारतीय न्याय संहिता, जो हमारे देश के कानूनी प्रणाली का मूल आधार है, समग्रता, न्यायपूर्णता और समानता के मूल्यों पर आधारित है।

इसमें नागरिकों को अपराधों के सम्बन्ध में अपना अधिकार और कर्तव्य सुनिश्चित करने के लिए विविध कानूनी प्रावधान शामिल हैं। इसके अलावा यह न्यायिक प्रणाली को स्थापित करने, अपराधियों को सजा देने और न्यायिक प्रक्रिया को सुनिश्चित करने का भी महत्वपूर्ण कार्य करती है।

यह संहिता न्यायिक प्रक्रिया, अपराधों की परिभाषा, सजा की विधि और साक्ष्य प्रमाण के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करती है।

इसके माध्यम से न्यायिक प्रणाली को सुरक्षित, न्यायपूर्ण और संवेदनशील बनाने का लक्ष्य रखा जाता है।

उपायुक्त विक्रम सिंह ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए दिए जरूरी दिशा-निर्देश

समाचार गेट/एजेंसी

फरीदाबाद। उपायुक्त विक्रम सिंह ने फरीदाबाद में जारी विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए विशेष दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ नई वोट बनवाने के साथ आवश्यकतानुसार नये बूथों के गठन पर गंभीरता से मंथन किया। कैंप कार्यालय में उपरोक्त विषय को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त विक्रम सिंह कर रहे थे। उन्होंने विस्तार से विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि 1 जुलाई, 2024 को आधार तिथि मानकर यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसके तहत घर-घर जाकर सर्वे करते हुए मतदाता सूची की जांच की जा रही है। घर-घर जाकर जानकारी ली जा रही है कि कौन से मतदाता स्थानांतरित हुए हैं। साथ में मृतक वोटरों का आंकड़ा और 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं की जानकारी भी जुटाई जा रही है। उन्होंने निर्देश दिए कि इस कार्य की नियमित रिपोर्ट प्रेषित की जाए। इसके लिए बीएलओ की आवश्यकता को भी पूरा करें। उपायुक्त विक्रम सिंह ने नये बूथ बनाने को लेकर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने ऊंची इमारतों वाली सोसायटी में बूथों के गठन की पड़ताल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एक बूथ पर मतदाताओं की संख्या बहुत अधिक नहीं होनी चाहिए। नये बूथों के गठन के लिए राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा पार्षदों के साथ बैठक भी करें। इसके अलावा उन्होंन अन्य जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए।

संपादकीय

टूटी-फूटी सड़कों पर टोल-टैक्स कहां तक सही

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

बेहतर सेवाओं के नाम पर सरकारें कई तरह के शुल्क वसूलती है, इसमें कोई आपत्ति एवं अतिश्योक्ति नहीं है। लेकिन सेवाएं बेहतर न हो फिर भी उनके नाम पर शुल्क या कर वसूलना आपत्तिजनक एवं गैरकानूनी है। यह एक तरह से आम जनता का शोषण है, धोखाधड़ी है। राजमार्ग एवं अन्य मार्गों पर बेहतर एवं सुविधाजनक सड़कों के नाम पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूला जाता है, लेकिन विडम्बना एवं त्रासदी यह है कि टूटी-फूटी सड़कों के नाम पर भी टोल वसूला जाता है, जो अन्यायपूर्ण एवं आपत्तिजनक है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के हालिया बयान में जनता के इस बड़े होते दुःख, धोखाधड़ी एवं शोषण पर न केवल दुःख जताया बल्कि ऐसी जबरन की जा रही वसूली को रोकने के लिये अधिकारियों को चेताया है। अपनी बात को बेबाकी से कहने वाले नितिन गडकरी ने अधिकारियों को दो टूक शब्दों में कहा कि यदि सड़कें अच्छी हालत में न हों और लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हो, तो राजमार्ग पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूलने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि टोल टैक्स वसूलने से पहले हमें अच्छी सेवाएं देनी चाहिए। लेकिन हम अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिये टोल टैक्स वसूलने की जल्दी में रहते हैं। रोड टैक्स का उपयोग राज्य के भीतर सड़कों के रखरखाव और विकास के लिए किया जाना चाहिए न कि सरकार की आमद को बढ़ाने के लिये। ऐसे अनेक उदाहरण है कि बिना सुविधा एवं आवश्यकता के भी टोल टैक्स वसूला जा रहा है। राज्य सरकारें भी स्वतंत्र रूप से टोल वसूलती है। दूसरी ओर, टोल टैक्स एक उपयोगकर्ता शुल्क है जिसे वाहन मालिकों को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण या निजी ठेकेदारों को कुछ टोल सड़कों, जैसे राष्ट्रीय राजमार्ग, एक्सप्रेसवे, पुल और सुरंगों का उपयोग करने के लिए देना पड़ता है। जो अन्य सड़कों की तुलना में इन सड़कों को उच्च गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की माना जाता है। निश्चित रूप से केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क-क्रांति की है बल्कि व्यवस्था की खामियों को सुधारने के भी सराहनीय प्रयास किये हैं।किसी देश को विवेकपूर्ण, बेहतर सुविधाओं एवं विकास के नये मानकों के साथ चलाने के लिए सरकार को पात्र नागरिकों से बेहतर सुविधाओं के लिये कर एकत्र में कोई ऐतराज नहीं है; लेकिन सड़कें हो या अन्य सुविधाएं, अच्छी नहीं होने पर भी टोल टैक्स या अन्य टैक्स वसूलने पर उपभोक्ता स्वयं को ठगा हुआ एवं शोषित महसूस करता है, जिसके कारण टोल टैक्स या अन्य टैक्स वसूलने वाली एजेन्सियों के खिलाफ शिकायतें बढ़ती जा रही है। टोल टैक्स प्रणाली सरकार या निजी ठेकेदारों के लिए राजस्व सृजन का स्रोत नहीं होनी चाहिए, बल्कि जनता के लिए बेहतर और सुरक्षित सड़कें उपलब्ध कराने का साधन होनी चाहिए। निश्चित तौर पर गुणवत्ता की सेवा दिए बिना कोई टैक्स वसूलना उपभोक्ता के साथ धोखाधड़ी एवं अन्याय है। यह बात हर सरकारी व निजी महकमे पर भी लागू होती है। लेकिन यथार्थ में ऐसा होता नहीं है और बेहतर सेवा के बिना टैक्स वसूलने की स्थितियां लगातार बढ़ती जा रही है। इन स्थितियों को लेकर आम जनता एवं उपभोक्ताओं में विरोध एवं विद्रोह पनप रहा है, इसलिये सरकार एवं ऐसी एजेन्सियों के खिलाफ लोग लोक अदालतों से लेकर विभिन्न अदालतों के दरवाजे खटखटाते रहते हैं। किसी भी विभाग को अपनी खामियों पर पर्दा डालने के बजाय सेवा में सुधार की पहल करनी चाहिए। अब चाहे मामला राष्ट्रीय राजमार्गों पर कार्यरत एजेंसियों का हो या फिर बिजली-पानी जैसे मूलभूत जरूरतों वाले विभागों का, अधिकारियों को उपभोक्ताओं के प्रति संवेदनशील एवं जिम्मेदार होना चाहिए।नियंत्रण से बाहर होती हमारी व्यवस्था हमारे लोक-जीवन को न केवल अस्त-व्यस्त कर रही है, बल्कि आहत, पीड़ित एवं परेशान भी कर रही है। ऐसी अनेक सुविधाएं हैं जो सरकार के द्वारा जनता के लिये उपलब्ध कराई जाती है, इसके लिये सरकार टैक्स वसूलती है। लेकिन बिना सुविधा के भी टैक्स वसूलने की स्थितियां सरकार पर बदनुमा दाग है और ऐसे दाग लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बहरहाल बात राजमार्गों पर वसूले जा रहे गैर वाजिब टोल टैक्स के बढ़ने की चिन्ता का है, जो एक त्रासदी है। इसी त्रासदी को केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री ने स्वीकारा और कहा कि सड़कें अच्छी नहीं होने पर तमाम शिकायतें हमें मिलती हैं। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर लोग अपना गुस्सा जाहिर करते हैं। सही मायनों में गुणवत्ता की सड़क प्रदान करने पर ही हमसे टोल वसूलने का अधिकार मिलता है। जाहिर सी बात है कि गड्ढों व कीचड़ वाली सड़कों पर टैक्स वसूलने पर पब्लिक की नाराजगी स्वाभाविक रूप से सामने आएगी। निस्संदेह, परिवहन मंत्री की स्वीकारोक्ति एक अच्छा कदम एवं स्वागतयोग्य कदम है और हर विभाग के मंत्री को अपने अधीनस्थ विभागों की ऐसी कारगुजारियों एवं ज्यादतियों पर नजर रखनी चाहिए। जरूरत इस बात की भी है कि ऐसी शिकायत दर्ज करने और शिकायतों के तुरंत निवारण हेतु एक स्वतंत्र तंत्र भी विकसित किया जाना चाहिए।कई स्थानों पर सड़कों की गुणवत्ता में कमी, सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों का उजागर होना, गैरवाजिब टोल टैक्स वसूला जाना, उपभोक्ताओं को परेशान करता है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल टैक्स चुकाने के लिये घंटों लाइन में लगना भी एक बड़ी समस्या है, भले ही इस समस्या से मुक्ति के लिये सरकार ने कदम उठाये हैं, फास्टैग व्यवस्था के लागू करने से लाइनें छोटी हुई है। आज 98 प्रतिशत वाहनों में स्मार्ट टैग के माध्यम से निर्बाध यात्रा की जा रही है। निश्चित तौर पर राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे आदि के बनने से यात्रियों का आवागमन सुविधाजनक हुआ है, पेट्रोल-डीजल में बचत हुई है एवं यातायात सुगम बना है। मोदी सरकार ने सड़कों को सुविधाजनक बनाया है। आने वाले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम आधारित टोल संग्रह प्रणाली को अंजाम देने की तैयारी में है। जिसके बाद राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल गेटों की जरूरत नहीं रह जाएगी। फिर टोल प्लाजा पर गाड़ी धीमी करने व रोकने की भी जरूरत नहीं रहेगी। इसे देश में चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। यह व्यवस्था सड़क-क्रांति को एक नई दिशा देगा। दरअसल, यह नया सिस्टम न केवल सही ट्रैकिंग कर पाएगा बल्कि यह राजमार्ग पर उपयोग की गई दूरी के आधार पर सटीक टोल गणना भी करेगा। बहुत संभव है आने वाले वर्षों में कार निमार्ता कंपनियां अपने वाहनों पर ट्रैकिंग डिवाइस लगाएं। प्रारंभ में इस सिस्टम को प्रमुख हाइवे व एक्सप्रेस-वे पर लागू किया जाएगा। इसके बावजूद सरकार के लिये यह जरूरी है कि वह सड़कों की गुणवत्ता को बनाये रखे एवं गुणवत्ता वाली सुविधा की सड़कों पर ही टोल वसूले।राजमार्गों पर यात्रा करने के दौरान आपके बैंक खाते या डिजिटल वॉलेट से पैसा कट जाता है। इसमें भी गलत तरीके से पैसे कटने की शिकायतें बढ़ती जा रही है। किसी व्यक्ति के फास्टैग से बिना टोल से गुजरे टोल टैक्स काट लिया जाता है या ज्यादा टोल वसूल लिया जाता है, जो उपभोक्ताओं के लिये परेशानी का सबब है। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की 2019 की एक रिपोर्ट के अनुसार, सड़क निर्माण और रखरखाव के अपने लक्ष्यों को हासिल करने में विफल रहा है। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि एनएचएआई ने टोल अनुबंधों को आकार देने और निगरानी के लिए निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया है और टोल सड़कों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की है। रिपोर्ट में टोल संग्रह प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी और दोषपूर्ण टोल प्लाजा, ओवरचार्जिंग और लंबी कतारों के कारण सड़क उपयोगकर्ताओं को होने वाली परेशानी और असुविधा पर भी प्रकाश डाला गया है।

टाटा मोटर्स के शैलेश चंद्रा बोले- पेट्रोल और डीजल गाड़ियां हो जाएंगी महंगी

समाचार गेट/एजेंसी

भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी और हुंडई मोटर के बाद तीसरी सबसे बड़ी कार कंपनी टाटा मोटर्स ने अपनी भविष्य को योजनाओं को लेकर बड़ी बात कही है। टाटा मोटर्स पैसेंजर वीइकल्स और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के एमडी शैलेश चंद्रा का कहना है

कहा कि साल 2027 से सख्त कैफे-3 (कॉरपोरेट औसत ईंधन दक्षता) मानदंड लागू होने से इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और सीएनजी वाहनों की हिस्सेदारी बढ़ेगी, जबकि पारंपरिक पेट्रोल, डीजल इंजन (आईसीई) वाले वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी होगी।

टाटा मोटर्स को उम्मीद है कि भारतीय यात्री वाहन बाजार वर्ष 2030 तक सालाना 60 लाख इकाई तक पहुंच जाएगा और कंपनी अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 18-20 फीसदी करने के लिए नए मॉडल उतारने की तैयारी कर रही है।

शैलेश चंद्रा ने कहा कि हमने वीइकल इंडस्ट्री के भविष्य के रुझानों और अगले 5-6 वर्षों में होने वाले विकास पर ध्यान दिया है। हम इन पांच-छह वर्षों में कई बदलाव होते हुए देख रहे हैं।

एसयूवी की बंपर डिमांड

उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि भारतीय यात्री वाहन उद्योग (पीवी) वित्त वर्ष 2029-30 तक 60 लाख इकाई तक पहुंच जाएगा, जो मूल रूप से अब से 6 फीसदी होगी।

यह खर्च और आय में बढ़ोतरी और वाहनों को जल्द बदल देने जैसे फैक्टर से प्रेरित होगी।

शैलेश चंद्रा ने कहा कि एसयूवी के लिए ग्राहकों की बढ़ती प्राथमिकता और एसयूवी सेगमेंट में लगातार नए मॉडल की उम्मीद को देखते हुए इस सेगमेंट की हिस्सेदारी ऊंची बनी रहेगी और ऐसा हैचबैक और सेडान कारों की कीमत पर होगा।

कर्व और सिएरा जल्द लॉन्च होगी

टाटा मोटर्स की महत्वाकांक्षाओं पर चंद्रा ने कहा कि हम इन सभी बदलावों का लाभ उठाने और बाजार को मात देने वाली बढ़ोतरी करने की योजना बना रहे हैं।

हम वित्त वर्ष 2029-30 तक 18-20 फीसदी मार्केट शेयर पाने का लक्ष्य बना रहे हैं

और ऐसे कई कारकों का इस्तेमाल बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए करेंगे।

इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कंपनी अपने उत्पादों की पेशकश बढ़ाएगी।

फिलहाल कंपनी सात मॉडल की पेशकश करती है।

अगले दो साल में कंपनी कर्व और सिएरा मॉडल उतारने वाली है।

ईवी सेगमेंट में बड़ा निवेश

आपको बता दें कि वित्त वर्ष 2023-24 में टाटा मोटर्स की घरेलू यात्री वाहन बाजार में हिस्सेदारी 13.9 फीसदी रही। चंद्रा ने कहा कि टाटा मोटर्स परंपरागत इंजन विकल्पों के साथ ईवी और सीएनजी पर भी ध्यान दे रही है।

इसके लिए कंपनी राजस्व के 6-8 फीसदी का निवेश करने की तैयारी है।

ईवी सेगमेंट में अगले 5-6 साल में 16,000 करोड़ रुपये से 18,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना है।

एम्स में सीनियर रेजिडेंट की वैकेंसी, मिलेगी इतनी मोटी सैलरी

समाचार गेट/एजेंसी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायबरेली ने सीनियर रेजिडेंट के पदों पर योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस वैकेंसी के लिए इच्छुक उम्मीदवार 14 जुलाई शाम 5 बजे तक आधिकारिक वेबसाइ पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। भर्ती के साथ इस वैकेंसी के लिए लिखित परीक्षा की डेट भी जारी कर दी गई है। ऐसे में उम्मीदवार परीक्षा तिथि के मुताबिक एग्जाम की तैयारी भी कर सकते हैं। वैकेंसी की डिटेल्सउत्तर प्रदेश रायबरेली एम्स की इस भर्ती के जरिए कुल 131 कुल पदों पर सीनियर रेजिडेंट की नियुक्ति अलग-अलग विभागों में की जाएगी। इसमें कार्डियोलॉजी से लेकर, फोरेंसिक मेडिसिन, डर्मेटोलॉजी, जनरल सर्जरी, पैथोलॉजी समेत कई अन्य डिपार्टमेंट शामिल हैं। किस कैटेगिरी में कितनी वैकेंसी है, इसकी जानकारी भी नीचे दी गई है।योग्यताइन पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों के पास संबंधित स्पेशलिटी में एमडी/एमएस/डीएनबी/डीएम/ एमसीएच किया होना चाहिए। इसके अलावा उम्मीदवारों को सेंट्रल/स्टेट मेडिकल काउंसिल में रजिस्टर्ड होना भी जरूरी है। वहीं आवेदकों की उम्र अधिकतम 45 वर्ष होनी चाहिए। ऊपरी आयुसीमा में एससी/एसटी को 5 वर्ष और इडब्ल्यू को 3 साल छूट दी गई है। परीक्षा की तारीखसीनियर रेजिडेंट के पदों पर उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा और डिपार्टमेंटस एसेसमेंट के जरिए किया जाएगा। आखिरी में सेलेक्ट अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन होगा। इस वैकेंसी की लिखित परीक्षा 21 जुलाई 2024 को आयोजित की जाएगी। जिसके अगले दिन यानी 22 जुलाई 2024 को डिपार्टमेंटल एसेसमेंट के लिए अभ्यर्थियों को रिपोर्ट करना होगा। भर्ती से संबंधित अन्य किसी भी जानकारी के लिए उम्मीदवार एम्स रायबरेली की ऑफिशियल वेबसाइट विजिट करें।

इस यूनिवर्सिटी में छात्रों के लिए सुनहरा मौका! माफ हो सकती है ट्यूशन फीस

समाचार गेट/एजेंसी

एकेटीयू में शैक्षिक सत्र 2024-25 आवदेन की प्रक्रिया चल रही है। काउंसलिंग के जरिए, बीटेक, बीएचएमसीटी, बीएफएडी, बीएफए, बैचलर इन डिजाइन, बीफार्मा, एमबीए और एमसीए पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों को ट्यूशन फीस देने से छूट मिल सकती है। वीसी प्रो. जेपी पांडेय के मुताबिक यह छूट उन्हीं स्टूडेंट्स को दी जाएगी जिनकी पारिवारिक आय ढाई लाख रुपये से अधिक न हो।

पर, कॉलेज की ओर से लिए जाने वाले अन्य सभी शुल्क चुकाने होंगे। टीएफडब्ल्यूएस का फायदा लेने के लिए आय प्रमाण पत्र देना अनिवार्य है। आय प्रमाण पत्र के सत्यापन के बाद ही लाभ मिलेगा।पांच फीसदी होगी फीस वेवर सीटःअखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) की ओर से जारी गाइडलाइंस के मुताबिक किसी भी कॉलेज में पाठ्यक्रम में तय सीटों के सापेक्ष अधिकतम पांच प्रतिशत सीटें ही फीस वेवर हो सकती है।

इस स्कीम के तहत दाखिला लेने पर कॉलेजों को स्टूडेंट्स के सभी दस्तावेजों को एकेटीयू को उपलब्ध कराना होगा।परीक्षा परिणाम हुए घोषितःएकेटीयू के सत्र 2023-24 के विषम सेमेस्टर परीक्षा के बीएचएमसीटी, एमबीए प्रथम सेमेस्टर और तीसरे सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है।

स्टूडेंट्स एकेटीयू की वेबसाइट पर रिजल्ट देख सकते हैं। रिजल्ट को लेकर कोई समस्या है तो परीक्षा नियंत्रक ऑफिस में सम्पर्क कर सकते हैं।

ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल के ये फायदे जानकंर होंगे हैरान

समाचार गेट/एजेंसी

आजकल की बिजी लाइफ में कार चलाते समय आराम और सुविधा बेहद जरूरी हो गए हैं। ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल कार में एक ऐसा फीचर है, जो न केवल कंफर्ट को बढ़ाता है, बल्कि ड्राइविंग एक्सपीरियंस को भी सुरक्षित और सुखद बनाता है। ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल फीचर केबिन के अंदर ड्राइवर और पैसेंजर के कंफर्ट, सेफ्टी, फ्यूल एफिसिएंसी और सुविधाओं को बढ़ा सकता है। ऐसे में आप अगर इन दिनों दिल्ली-लखनऊ गर्मी या ठंडे इलाकों में सर्दी से परेशान हैं और अपने लिए एक ऐसी कार खरीदने पर विचार कर रहे हैं, जिसमें खुद ही तापमान को नियंत्रित करने की क्षमता हो तो एसीसी वाले मॉडल पर विचार कर सकते हैं।ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल क्या है?सबसे पहले आपको ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल फीचर के बारे में बताएं तो एसीसी एक ऐसा सिस्टम है, जो कार के अंदर तापमान और आर्द्रता को खुद-ब-खुद नियंत्रित करता है। यह आपके द्वारा निर्धारित तापमान को बनाए रखने के लिए एयर कंडीशनिंग, हीटिंग और फैन स्पीड को समायोजित करता है।ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल के फायदेकंफर्ट और कन्वीनियंसः ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल आपको अपनी पसंद का तापमान सेट करने की सुविधा देता है। सिस्टम तापमान और आर्द्रता को स्वचालित रूप से समायोजित करेगा, जिससे आपको बार-बार कंट्रोल्स को समायोजित करने की जरूरत नहीं होगी। यह खासकर लंबी यात्राओं पर या ट्रैफिक में फंसने पर काफी यूजफुल होता है।बेहतर माइलेजः ऑटोमैटिक लाइमेट कंट्रोल अनावश्यक एयर कंडीशनिंग या हीटिंग को रोककर माइलेज में सुधार कर सकता है। यह केवल तभी काम करता है, जब इसकी जरूरत होती है और इससे फ्यूल की बचत होती है।ज्यादा सुविधाः कई ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल सिस्टम अतिरिक्त सुविधाएं प्रदान करते हैं, जैसे कि डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, जो आपको कार के सामने और पीछे के लिए अलग-अलग तापमान सेट करने की इजाजत देता है। वहीं सन सेंसर धूप के संपर्क में आने पर ऑटोमैटिकली तापमान को समायोजित करता है।साफ हवाः एसीसी कार के अंदर हवा की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है। यह धूल, पराग और अन्य एलर्जी को हवा से बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे ड्राइवर और यात्रियों को सांस लेने में आसानी होती है।सेफ्टीः ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल ड्राइवर का ध्यान भटकने से रोकता है। जब आप तापमान को समायोजित करने के लिए कंट्रोल्स का यूज कर रहे होते हैं तो आपका ध्यान सड़क से हट जाता है। एसीसी के साथ आप सड़क पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं और सुरक्षित रूप से ड्राइव कर सकते हैं।इन सबके बीच यह ध्यान रखना जरूरी है कि ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल के कुछ नुकसान भी हैं। यह थोड़ा महंगा हो सकता है और यह कुछ कारों में स्टैंडर्ड फीचर के तौर पर नहीं आता है। इसके अलावा कुछ लोगों को एसीसी से निकली हवा बहुत ठंडी लग सकती है।

गरीबों के हित में काम कर रही डबल इंजन की सरकारः मुख्यमंत्री नायब सिंह

कहा, योजनाओं के क्रियान्वयन से गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों के जीवन में आया बड़ा बदलाव

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के नए लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ देने के लिए आज शहीद हसन खां मेवाती राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, नल्हड़ नूंह में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में पुन्हाना के विधायक नयन पाल रावत ने मुख्यातिथि के रुप में शिरकत की व कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा वक्फ बोर्ड के प्रशासक चौधरी जाकिर हुसैन ने की। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र व हरियाणा की डबल इंजन की सरकार लगातार गरीबों के हित व उनकी मजबूती के लिए काम कर रही है। समाज के कमजोर वर्ग के लोगों के लिए अनेक योजनाएं बनाकर उन्हें क्रियान्वित किया गया है। इन योजना के चलते गरीब, वंचित व पिछड़े वर्ग के लोगों के जीवन में एक बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ सीधा लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंच रहा है। पिछली सरकारों की तरह अब लाभार्थियों को लाभ राशि में न तो कट लगता है न कमीशन खोरी है और न ही सिफारिश का कोई स्थान है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं एक गरीब परिवार से संबंध रखते हैं और गरीब को किस तरह की परेशानी का सामना करना पड़ता है, यह उन्हें अच्छे से मालूम है। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का विस्तार से जिक्र किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुन्हाना के विधायक नयन पाल रावत ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को धरातल पर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपने को साकार करने का काम कर रही है। पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को सरकार की योजनाओं के माध्यम से उनके हक व अधिकार दिलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में डॉक्टर बी आर अंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना के नए लाभार्थियों को मकान मरम्मत के लिए 80-80 हजार रुपये की राशि जारी की गई है। उन्होंने कहा कि यह राशि जुलाई माह

के प्रथम सप्ताह में लाभार्थियों के बैंक खाते में ट्रांसफर हो जाएगी। उन्होंने डॉ. बी आर अंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत परमीना, शकुन्त, निज्जी व वरिशा को 80- 80 हजार रुपए के डैमों चेक भेंट किया। इसी प्रकार से सामाजिक सुरक्षा पेंशन के नए लाभार्थियों जीत सिंह, जगदीश, मुकेश, श्रीमती शीला, मुरसलीन ,वसरुद्दीन, उमर मोहम्मद, अली मोहम्मद, श्रीमती मुन्नी, व श्रीमती सायरा बेगम को सर्टिफिकेट जारी किए गए। उन्होंने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जातियों एवं पिछड़े वर्ग तथा अंतोदय (सेवा) विभाग द्वारा जिला नूंह में अब तक कुल 112196 सामाजिक पेंशन बनाई गई है। नयनपाल रावत ने कहा कि जिन गांवों में पंचायती जमीन नहीं है, उनमें पात्र परिवारों को एक-एक लाख रुपए की राशि प्रदान की जा रही है।लोगों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं लागू कर रही है प्रदेश सरकार :चौधरी जाकिर हुसैनजरूरतमंद को दिया जा रहा है उसका हकहरियाणा वक्फ बोर्ड के प्रशासक चौधरी जाकिर हुसैन ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में लोगों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं लागू कर रही है। प्रदेश के लोगों के कल्याण के लिए केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार ने विभिन्न योजनाओं के लिए अपने खजाने खोल रखे हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की गरीबी कल्याणकारी नीतियों का ही परिणाम है कि नल्हड़ मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में आज नए लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन वितरण, डॉ बी आर अंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना तथा मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना लाभ वितरण का जिला स्तरीय समारोह आयोजित किया गया है। यह आयोजन पूरे प्रदेश में सभी जिलों में आयोजित किया गया है। यह मुख्यमंत्री की दूरगामी सोच का ही परिणाम है कि सबका एक साथ और सामान विकास हो और जरूरतमंद को समय पर उसका हक मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने मेवात में बड़ी-बड़ी परियोजनाएं देकर मेवात के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी है। भाजपा के जिला अध्यक्ष नरेंद्र पटेल ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया और सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा, सीटीएम अशोक कुमार, भाजपा जिला अध्यक्ष नरेंद्र पटेल, नगर पालिका फिरोजपुर झिरका के चेयरमैन मनीष जैन, हरियाणा गौ सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष भानीराम मंगला, योगेश तंवर, संजय गर्ग, सुभाष, हेमराज पंडित व फकरुद्दीन सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

टाबर उत्सव 2024 का हुआ भव्य समापन

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

यह कार्यक्रम कला एवं संस्कृति विभाग हरियाणा एवं स्कूल शिक्षा विभाग हरियाणा के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया था जिसका प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में छिपी कला को उभारना और निखारना था। इस कार्यक्रम में नूंह जिले के विभिन्न सरकारी स्कूलों के लगभग 60 विद्यार्थियों ने मूर्तिकला,पी ओ पी मूर्तिकला,पेंटिंग,कशीदाकारी व शिल्प कला के विभिन्न विधाओं को सीखा।पूरे कार्यक्रम के दौरान सभी सामान व प्रतिभागियों को जलपान सरकार द्वारा निशुल्क उपलब्ध कराया।बच्चों का उत्साह व कुछ नया सीखने की खुशी आज उनके चेहरे पर साफ झलक रही थी। समापन कार्यक्रम के अवसर पर कुसुम मलिक,ब्लॉक संयोजक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं,उनके साथ रविन्द्र जैन (भूतपूर्व प्राचार्य), तफ्फ़ज़ुल हुसैन अध्यक्ष नूह एवं महेश कुमार, जिला रेडक्रास सोसायटी से आमंत्रित अतिथि के रूप में रहे इस अवसर पर व आशीष कुमार ,वरिष्ठ लेक्चरर ने अतिथियों का पुष्प व पौधे देकर स्वागत किया। विद्यालय प्राचार्य पंकज चौहान ने आमंत्रित अतिथियों को इस कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी व इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कला एवं संस्कृति विभाग के मूर्तिकला अधिकारी हृदय कौशल, जिला शिक्षा अधिकारी नूंह परमजीत चहल ,इस कार्यक्रम की नोडल अधिकारी व ब्लॉक संयोजक कुसुम मलिक द्वारा दिए गए कुशल मार्गदर्शन व सहयोग के लिए धन्यवाद किया।बच्चों व उनके अभिभावकों ने भी हरियाणा सरकार के द्वारा की गई इस पहल की भरपूर सराहना की।समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को कुसुम मलिक द्वारा सर्टिफिकेट प्रदान किए। उन्होंने अपने संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियों से अपील की कि अगले वर्ष के लिए इस कार्यक्रम में और बढ़चढ़कर भागीदारी करें व जो विद्यार्थी किसी कारणवश इस बार भाग नहीं ले पाए उन्हें इस बार में बताए। उन्होंने विश्वास दिलाया की जिला प्रशासन व हरियाणा सरकार का पूरा फोकस है की सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थी खेल,कला व एकेडमिक्स किसी भी मामले में प्राइवेट स्कूलों से कम नहीं रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

पंचायती जमीन पर कब्जा करने वालों की खैर नहीं

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

हरियाणा सरकार गावों में पंचायती जमीन पर कब्जा करने वालों पर कारंवाइ करेगी` दूसरे शब्दों में पंचायती जमीन पर कब्जा करने वालों की अब खैर नहीं होगी` इस संबंध में विकास एवं पंचायत विभाग की ओर से गांवों में अवैध कब्जे हटवाने को लेकर आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी किया गया है` जिसमें स्पष्ट किया गया है कि पंचायती जमीन पर कब्जाधारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कारंवाई अमल में लाई जाए` सरकार ने माना कि प्रदेश के अधिकांश गांव में रास्तों पर कब्जा होने की वजह से वहां से निकलना आसान कार्य नहीं है` ऐसे अधिकांश गांव के 7 बीसीएल के केस विभिन्न अदालतों में विचाराधीन पड़े हैं` सरकार के पंचायत विभाग ने जारी किया नोटिस- बता दें कि शामलात देह व अन्य चरान्द भूमि संबंधित ग्राम पंचायत में निहित करती है और उसकी रक्षा करना संबंधित ग्राम पंचायत व शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों का दायित्व है` ऐसी भूमि से नाजायज कब्जे हटवाने के लिये समय- समय पर निर्देश जारी किये जाते रहे हैं माननीय उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय द्वारा भी गावों से नाजायज कब्जे हटवाने से संबंधित नीति बनाने व कठोर कदम उठाये जाने बारे निर्देश दिये जाते रहे हैं, लेकिन इन सबके बावजूद पंचायतों में निहित भूमि को पूर्णतः कब्जा मुक्त नहीं करवाया जा सका है` अतः आवश्यक हो जाता है कि संबंधित संस्था अर्थात ग्राम पंचायत या जिन अधिकारियों को हरियाणा ग्राम शामलात भूमि (विनियमन) अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत अधिकृत किया गया है` इसका कर्तव्य है कि यह अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली पंचायती की भूमि को नाजायज कब्जों से मुक्त करवाये` सरकार के इस आदेश के बाद प्रत्येक गांव में लगभग सैकड़ो एकड़ भूमि से नाजायज कब्जे हटने की संभावना बन गई है` ग्राम शामलात भूमि (विनियमन) अधिनियम, 1961 की धारा 7 में प्रावधान है कि संबंधित ग्राम पंचायत, कोई भी ग्रामवासी, समाज शिक्षा एवं पंचायत अधिकारी तथा खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी पंचायतों में निहित शामलात भूमि से नाजायज कब्जा हटवाने के लिये सहायक कलैक्टर कलैक्टर प्रथम श्रेणी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर सकता है, जिस पर सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी का कर्तव्य बनता है कि उस आवेदन पत्र का निर्णय करते हुये यदि कोई व्यक्ति विशेष नाजायज काबिज पाया जाता है तो उसे बेदखल करके पंचायत को भूमि का कब्जा दिलवाये` नाजायज काबिज व्यक्ति के विरुद्ध 2 वर्ष के कारावास की सजा-धारा 7(5) के अनुसार नाजायज काबिज व्यक्ति के विरुद्ध आपराधिक मामला भी दर्ज किया जा सकता है जिसमें उसे 2 वर्ष के कारावास की सजा हो सकती है` धारा 7.7 (1) तथा 7 (2) में दिये गये प्रावधानों को तत्पर संदर्भ के लिये नीचे उद्दत किया जाता है`गांव में अधिकार क्षेत्र रखने वाले प्रथम श्रेणी के सहायक कलेक्टर, या तो स्वप्रेरणा से या पंचायत या गांव के निवासी या सामाजिक शिक्षा के खंड विकास और पंचायत अधिकारी और पंचायत अधिकारी, या किसी अन्य अधिकारी द्वारा किए गए आवेदन पर कारंवाइ कर सकते हैं` इस संदर्भ में बीडीपीओ अरुण कुमार ने बताया कि उनकी ओर से कोर्ट के आदेश पर हाल ही में कई गावों से अवैध कब्जे हटाए गए हैं` अवैध कब्जे हटाने के बाद गांव के रास्ते चौड़े व खुले नजर आएंगे वहीं कृषि एवं बंजर की जमीन भी खुली दिखाई देगी।

इण्डरी खंड के कार्यकताओं की बैठक लेकर आफताब अहमद ने जताया आभार

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

लोकसभा में उत्साहजनक नतीजों के बाद कांग्रेस पार्टी ने हरियाणा में जमीनी स्तर पर मेहनत बढ़ा दी है। दक्षिण हरियाणा के नूँह ज़िले में कांग्रेस विधायक दल के उप नेता चौधरी आफताब अहमद ने बीते तीन दिनों में दो बड़ी कार्यकर्ता बैठक कर साफ कर दिया है कि कांग्रेस प्रदेश में सरकार बनाने के लिए बेहद गंभीरता से काम कर रही है। नूँह के बाद इण्डरी खंड की बैठक कर विधायक आफताब अहमद ने कांग्रेस के इंडिया गठबंधन के लिए वोट देने के लिए शुक्रिया करते हुए आभार जताया। इस दौरान विधायक ने टीम इंडिया द्वारा विश्व कप जीतने पर मुबारकबाद दी।विधायक आफताब अहमद ने कहा कि कांग्रेस कार्यकताओं के कठिन परिश्रम और मेहनत से कॉंग्रेस ने हरियाणा में 5 लोकसभा सीट पर बड़ी जीत दर्ज की और दो सीटें पर नजदीकी मुकाबले में थोड़ी कमी रह गई। 46 विधानसभा सीटों पर कॉंग्रेस ने बढ़त हासिल की जो इस बात का संकेत है कि 3 महीने बाद कॉंग्रेस की सरकार बनने जा रही है लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ता याद रखें कि 3 महीने उनका संघर्ष जारी रहना चाहिए।विधायक आफताब अहमद ने उन सभी वोटरों का धन्यवाद किया जिन्होंने कॉंग्रेस को लोकसभा में वोट दिया है।लोगों ने संविधान और लोकतंत्र को

बचाने में अपनी भूमिका निभाने का काम किया है। विधायक आफताब अहमद ने कहा कि हरियाणा में बीजेपी सरकार 10 साल से सत्ता में है लेकिन कोई एक ऐसा वर्ग नहीं जिनके लिए इन्होंने काम किया हो।किसान को काले कानून लाते हैं, समय पर बिजली पानी और फसल खरीद नहीं करते; युवाओं में बेरोजगारी में हरियाणा नंबर एक बन गया है, महंगाई हरियाणा में आसमान छू रही है, कानून व्यवस्था का जनाजा निकला हुआ है, सरे आम लोगों से फिरौती मांगी जा रही है और सड़के खून से लाल हो रही हैं, भ्रष्टाचार सातवें आसमान पर है।विधायक आफताब अहमद ने कहा कि अहंकार और घमंड में डूबी बीजेपी सरकार को विदाई देने का समय आ गया है। नूंह जिले के साथ दस सालों में खूब अन्याय किया गया है। विकास के नाम पर दो ईंट नहीं लगाई गई, मेडिकल कॉलेज की व्यवस्था को जान बूझ कर खराब किया गया, केंद्रीय विद्यालय सालाहेड़ी रोक दिया गया, राष्ट्रीय राजमार्ग 248 अ पर एक इंच काम दस सालों में नहीं किया गया, कोटला झील पर 10 सालों में काम नहीं किया गया, इंडरी खंड के विकास की घोर अनदेखी हुई है, केंद्रीय सैनिक स्कूल संघैल नहीं बनाया गया, युनानी मेडिकल कॉलेज के काम को रोक दिया गया, नूंह में सेक्टर के काम रद्द कर दिए, ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल छपेड़ा का काम दस सालों में शुरू तक नहीं किया, शहीद किरण शेखावत के नाम पर कॉलेज बनाने की घोषणा मुख्यमंत्री ने की थी लेकिन आज तक एक ईंट नहीं लगी।विधायक आफताब अहमद ने कहा किकोई नया कॉलेज, स्कूल नहीं बनाया बल्कि स्कूल बंद किए गए और नूंह में शिक्षक लगाने के बजाय यहां से ट्रांसफर करके बाहर जिलों में भेजे गए। बात साफ है नूंह जिले के साथ अन्याय हुआ है विश्वासघात हुआ है।

होडल सहित जिले के मेडिकल स्टोर संचालकों को सीसीटीवी कैमरे लगाने के दिए आदेश

समाचार गेट/हरिओम भारद्वाज

होडल : जिलाधीश नेहा सिंह ने शेड्यूल एक्स व एच औषधियां बेचने वाले जिला के मेडिकल/फार्मेसी दुकानदार को अपनी दुकानों के अंदर व बाहर सीसीटीवी कैमरे लगवाने के निर्देश दिए हैं।जिलाधीश ने आदेशों में स्पष्ट किया है कि सीसीटीवी कैमरे लगवाने के लिए सभी मेडिकल/फार्मेसी दुकानों के मालिकों को एक महीने का समय दिया जा रहा है। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को जिला औषधि नियंत्रक प्राधिकरण सीडब्ल्यूपीओ द्वारा कभी भी चेक किया जा सकता है। यदि कोई मेडिकल/फार्मेसी दुकान मालिक आदेश का पालन करने में विफल रहता है तो ऐसे व्यक्ति मालिक के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।शेड्यूल एक्स में नारकोटिक और साइक्लॉजिकल दवाएं आती है। ये अत्यंत प्रभावी और नशीली भी होती है। ये दवाएं सीधे दिमाग पर प्रभाव करती है, जिसके चलते गलत खुराक व ओवरडोज के कारण यह घातक भी साबित हो सकती है।

पूर्व मंत्री करण दलाल के आवास पर पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष उदयभान

समाचार गेट/हरिओम भारद्वाज

पलवल। करण दलाल के आवास पर पहुंचकर जाना उनका हालचाल।दो दिन पहले हुई थी करन दलाल के गले की सर्जरी। फिलहाल डॉक्टर्स के कहे अनुसार कणफेड की सर्जरी के चलते बेड रेस्ट पर हैं करण दलालभूपेंद्र हुड्डा ने अपने समधी के घर पहुंचकर कई तरह की चर्चाओं पर विराम लगा दिया हुड्डा के समधी और पूर्व मंत्री करन दलाल ने भी अपनी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इस दौरान की फोटो शेयर की जिनमें भूपेंद्र हुड्डा, उदयभान, करण दलाल और उनके छोटे बेटे उदयकरण दलाल नजर आ रहे हैं लोकसभा चुनावों में करण दलाल की टिकट कटने से चारों तरफ करण दलाल की कांग्रेस और हुड्डा से नाराजगी की चर्चाएं जोरों पर थी और चुनाव के दौरान व चुनाव के बाद भी करण दलाल ने कई सभाओं में हुड्डा के मंचों से बना रखी थी दूरी। इतना ही नहीं राहुल गांधी और मल्लिका अर्जुन खरगे की हरियाणा नेताओं की अहम बैठक में लिस्ट में नाम होने के बावजूद भी करण दलाल ने बैठक से दूरी बनाई थी जिसके बाद करण दलाल के बारे में भाजपा में जाने की चर्चाओं ने भी खूब सुर्खियां बटोरी थी।फिलहाल हुड्डा डैमेज कंट्रोल को लेकर लगातार प्रयासरत हैं। एक तरफ जहां हुड्डा ने करण दलाल का कुशलक्षेम जाना वहीं उनकी नाराजगी को भी दूर करने में सफल रहें हैं ।

नूंह जिले में नए लाभार्थियों को समाजिक सुरक्षा पेंशन

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

इतना ही नहीं नयन पाल रावत ने कांग्रेस पर जमकर भड़ास निकाली और कहा कि कांग्रेस का अभी तक कोई मुख्यमंत्री ही तय नहीं हुआ है, कांग्रेस के सभी नेता हर रात मुख्यमंत्री बनकर सोते हैं।इतना ही नहीं उन्होंने दुष्यंत चौटाला के राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस का साथ देने के सवाल पर कहा कि लोकसभा चुनाव से पता चल गया है कि दुष्यंत चौटाला की अब हवा निकल गई है वह उसके बारे में अब बात करना सही नहीं समझते।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा वक्फ बोर्ड के ऐडमिनिस्ट्रेटर चौधरी जाकिर हुसैन ने की। इस कार्यक्रम का आयोजन शहीद हसन खां मेवाती मेडिकल कॉलेज नल्हड़ के सभागार में आयोजित किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित सेकंडों लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक नयन पाल रावत ने कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सबका साथ सबका विकास नारे के साथ काम कर रही है। आज पूरे हरियाणा में पानीपत जिले के अंदर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सम्मान पेंशन योजना के तहत 75750 नये लाभार्थियों को इस योजना से जोड़ने का काम किया गया है। जिनकी राशि लाभार्थियों के खाते में जुलाई के पहले सप्ताह में डाल दी जाएगी। नयन पाल रावत ने कहा कि आज राज्य स्तरीय कार्यक्रम में दिव्यांग, विधवा और बुढ़ापा पेंशन,डॉ भीमराव अंबेडकर आवास योजना

और मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत सभी लाभार्थियों को राशि वितरित की गई है। जिससे सभी लाभार्थियों में खुशी का माहौल है और वह भाजपा का और प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट कर रहे हैं। नयन पाल रावत ने कहा कि वह अपने 5 साल के राजनीतिक अनुभव में भाजपा सरकार को अब तक की सबसे बेहतर सरकार मानते हैं। भाजपा सरकार ने सभी वर्गों को एक साथ लेकर उनका विकास किया गया है। आज वह निर्दलीय विधायक होते हुए भी भाजपा का समर्थन कर रहे हैं और भाजपा के साथ जुड़े हुए हैं और वह प्रदेश की जनता से भी अपील करते हैं कि आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा का साथ दें और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाएं। अल्पमत सरकार के बारे में सवाल पूछने पर नयन पाल रावत ने कहा कि भाजपा सरकार अल्पमत में नहीं है और भाजपा के पास पूर्ण बहुमत है और वह भी भाजपा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर डटे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग आए दिन तरह-तरह की अफवाह फैलाते रहते हैं।

कांग्रेस में आपसी गुटबाजी चरम पर है और कांग्रेस के सभी नेता आए दिन तरह-तरह की गुटबाजी की बयान बाजी करते रहते हैं। इतना ही नहीं नयन पॉल रावत ने कहा कि कांग्रेस के सभी बड़े नेता हर रात मुख्यमंत्री बनकर सोते हैं।

जिससे कांग्रेस का अभी तक कोई मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार भी तय नहीं हुआ है ,वहीं अमित शाह ने कल हुए पंचकुला में संगठन के कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की है।

वहीं इस कार्यक्रम के अध्यक्ष और हरियाणा वक्फ बोर्ड के ऐडमिनिस्ट्रेटर चौधरी जाकिर हुसैन ने मेवात के लोगों को इस योजना का लाभ देने व मेवात को भाजपा सरकार में विकास कार्य में आगे ले जाने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया।

मोदी सरकार के 10 साल के प्रयास.... अगले दशक में आर्थिक महाशक्ति बनेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार की प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ इसके लिए, आपूर्ति श्रृंखला केंद्र बनाने और मजबूत जीडीपी दर हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ने की वजह से भारत अगले दशक में वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। बीते 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं के कारण देश ने अपनी मजबूत आर्थिक यात्रा शुरू की। चाहे वह लोकल उत्पादों के निर्माण, नए सेमीकंडक्टर संयंत्र, एआई, 5जी, स्टार्टअप, नवाचार और विभिन्न क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाओं पर जोर हो या फिर श्रमिकों को कुशल बनाना और लाखों नई नौकरियां पैदा करना हो।

इसके बाद पीएलआई योजना से प्रेरित होकर देश के मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र का तीन गुना विस्तार होने का अनुमान है। जो मौजूदा 459 बिलियन डॉलर से 1.66 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। यह वृद्धि पिछले दशक में हुई 175 बिलियन डॉलर की औसत वृद्धि से अधिक है। एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र का योगदान वित्त वर्ष 2024 में 14 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2034 तक 21 प्रतिशत होने की उम्मीद है।

मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में 12 लाख से अधिक नई नौकरियां पैदा हुई है और यह 100 बिलियन डॉलर को पार कर गई है। अगले पांच वर्षों में भारत का इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग 250 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। अगले कुछ वर्षों में 14 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाओं के तहत 3 लाख करोड़ से 4 लाख करोड़ रुपये तक निवेश होने का अनुमान है।

संसद में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि तेजी से विकास के लिए भारत के लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप सुधारों की गति को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा, पिछले 10 वर्षों में, भारत 11वें स्थान से दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। 2021 से 2024 तक भारत ने औसतन 8 फीसदी की दर से सालाना वृद्धि दर्ज की है।

उत्तराखंड सरकार ने 'ग्लेशियर झीलों के लिए एहतियाती कदम उठाने का लिया निर्णय

देहरादून। 'ग्लेशियर झील से उत्पन्न तबाही से सबक लेते हुए उत्तराखंड सरकार ने चिन्हित ऐसी 13 'ग्लेशियर झीलों के लिए एहतियाती कदम उठाने का निर्णय लिया है जो आने वाले समय में बड़ा खतरा बन सकती है। उत्तराखंड के आपदा प्रबंधन सचिव रंजीत सिन्हा ने बताया कि उपग्रह से मिले चित्रों के आधार पर प्रथम चरण में पांच सबसे खतरनाक झीलों के लिए जल्द ही विशेषज्ञों की टीम भेजी जाएंगी जो उनसे होने वाले खतरे के बारे में पूरा वैज्ञानिक अध्ययन करेंगी। रंजीत सिन्हा ने कहा, ''इन झीलों के लिए हम 'एक्सपेडिशन भेज रहे हैं जिनकी रिपोर्ट के आधार पर वहां पूर्व चेतावनी प्रणाली सहित खतरे को कम करने के उपाय किए जाएंगे। हम झील से खतरे के बारे में पूरा अध्ययन करेंगे और फिर कार्रवाई करेंगे। सिन्हा ने बताया कि दो विशेषज्ञ टीम बनाई गई हैं जिनमें से एक की अगुवाई भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) तथा दूसरे की अगुवाई सी-डैक कर रहा है। उनके अनुसार इन टीम में वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान, भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान जैसे तकनीकी एजेंसियों तथा भारत तिब्बत सीमा पुलिस, राज्य आपदा प्रतिवादन बल, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल जैसे अर्धसैनिक बल तथा उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारी होंगे।

शख्स ने नासा पर ठोका 80,000 डॉलर का मुकदमा, घर पर अंतरिक्ष से गिरा मलबा, छत से लेकर फर्श तक कर दिया छेद

वाशिंगटन। अमेरिका में एक शख्स को नासा बड़ा सदमा दे गया, जिसके बाद उक्त शख्स ने अंतरिक्ष एजेंसी के खिलाफ मुकदमा ठोक दिया है। यह शख्स अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित नेपल्स का रहने वाला है। उसने नासा से 80,000 डॉलर यानी करीब 67 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना इस साल 8 मार्च की है। नेपल्स में एलेयांद्रो ओटेरो के घर पर अंतरिक्ष से एक बड़ा सा मलबा आ गिर गया। इस मलबे ने उनके घर की छत से लेकर फर्श तक में छेद कर दिया। इस घटना के वक्त एलेयांद्रो अपने परिवार के साथ छुट्टी मनाने गए हुए थे। घर पर सिर्फ उनका बेटा डैनियल मौजूद था, जिसने उन्हें फोन करके इसके बारे में बताया। ओटेरा ने बताया, 'मैं यह सुनकर कांप रहा था। मैं पूरी तरह से हैरान था। मैं सोच रहा था कि आखिर हमारे घर पर इतनी ताकत से कौन सी चीज गिर गई, जिससे इतना नुकसान हो गया।' एलेयांद्रो ने घर पहुंचकर देखा तो उन्होंने 41.6 इंच का एक सिलेंडर दिखा, जिसका वजन करीब 1.6 पाउंड यानी करीब 700 ग्राम था। वह सोच रहे थे कि आखिर ये चीज़ कहां से आई, जिसने उनके घर को तबाह कर दिया। नासा ने बाद में पुष्टि की कि यह सिलेंडर उसके स्पेस स्टेशन से निकला था। उसने बताया कि इसका इस्तेमाल कार्गो पैलेट पर पुरानी बैटरियों को माउंट करने के लिए किया जाता था। इसे 2021 स्पेस स्टेशन से छोड़ा गया था। ऐसी चीज़े के पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते ही पूरी तरह से जल जाती है, हालांकि यह एक टुकड़ा बच गया और अंतरिक्ष में करीब 3 साल मंडराने के बाद ओटेरो परिवार की प्रॉपर्टी पर गिर गया। वहीं ओटेरा परिवार के वकील मीका गुयेन वर्थी ने इस मुद्दे की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा, 'मेरे मुवक्किल इस घटना से उनके जीवन पर पड़ने वाले तनाव और प्रभाव के लिए पर्याप्त मुआवजे की मांग कर रहे हैं। वे शुक्रगुजार है कि इस घटना से किसी को भी शारीरिक चोट नहीं लगी, लेकिन इस तरह की स्थिति भयावह हो सकती थी। अगर मलबा दूसरी दिशा में कुछ फीट दूर गिरता, तो गंभीर चोट या मौत हो सकती थी।' वर्थी ने यह भी बताया कि इस केस का मकसद निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों में अंतरिक्ष मलबे के दावों के लिए एक मिसाल कायम करना है। वहीं नासा को इस मामले ओटेरो परिवार की तरफ से मांगे गए मुआवजे का जवाब देने के लिए छह महीने का समय दिया गया है। बता दें कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के नाम पर कई रिकॉर्ड दर्ज हैं। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में इस एजेंसी का नाम लोग बड़े सम्मान से लेते हैं।

प्रेमी ने तोड़ा वादा तो कोर्ट पहुंची लडकी, प्रेमी पर लगाया 'वर्बल कॉन्ट्रैक्ट' के उल्लंघन का आरोप

क्राइस्टचर्च। एक लड़की के ब्वॉयफ्रेंड ने उससे किया गया वादा नहीं निभाया, तो वह कोर्ट पहुंच गई और प्रेमी पर 'वर्बल कॉन्ट्रैक्ट' के उल्लंघन का आरोप लगाया। न्यूजीलैंड की रहने वाली एक प्रेमिका ये बर्दाश्त नहीं कर पाई कि उसके प्रेमी ने उससे जो वादा किया, वो पूरा नहीं किया। अब ये प्रॉमिस कोई शादी को लेकर नहीं था बल्कि बात इतनी सी थी कि उसने लड़की को एयरपोर्ट छोड़ने के लिए कहा था, लेकिन वो नहीं गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक न्यूजीलैंड की रहने वाली एक लड़की ने अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड पर 'वर्बल कॉन्ट्रैक्ट' का उल्लंघन करने का केस ठोका है। पढ़ने में ये बात जितनी भारी-भरकम है, मामला उतना ही मजेदार है। दरअसल हुआ यूं कि लड़की को एक म्यूजिक कॉन्सर्ट के लिए दूसरे शहर में जाना था। प्रेमी ने कहा था कि वो उसे एयरपोर्ट तक छोड़ देगा और उसकी गैर हाजिरी में दो दिन तक उसके दो पेट डॉग्स का भी ख्याल रखेगा। हालात ऐसे बने कि लड़का उसे छोड़ने नहीं आ सका और लड़की की फ्लाइट छूट गई। लड़की ने डिस्प्यूट ट्रिब्यूनल को बताया कि वो साढ़े 6 साल से रिलेशनशिप में है। ऐन वक्त पर ब्वॉयफ्रेंड ने मैसेज का रिप्लाई नहीं दिया और उसे अपनी ट्रिप कैंसिल करनी पड़ी। अगले दिन जाने पर उसके काफी पैसे खर्च हो गए और इसकी वजह सिर्फ उसका वादा न पूरा करना थी। मामले में अदालत ने फैसला सुनाते हुए कहा कि जब तक आप कानूनी रूप से बाध्यकारी किसी रिश्ते में नहीं हैं, तब तक इस तरह का दबाव नहीं डाला जा सकता यानि लड़की को निराश होना पड़ा। बता दें प्रेमी-प्रेमिका का रिश्ता ही नोकझोंक से भरा होता है। कभी प्यार तो कभी तकरार से ही ये रिलेशनशिप आगे बढ़ता है।

ब्रिटेन में 4 जुलाई को वोटिंग

लंदन। ब्रिटेन में भारतवंशी पीएम ऋषि सुनक और उनकी कंजरवेटिव पार्टी का जल्द चुनाव का दांव फेल होता दिख रहा है। एक सप्ताह बाद 4 जुलाई को होने वाली वोटिंग से पहले अधिकांश सर्वे में कंजरवेटिव पार्टी के सफाए की भविष्यवाणी कर रहे हैं। सर्वे में सुनक की पार्टी को सबसे ज्यादा 117 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। वहीं, सावंता-गार्जियन के सर्वे में दावा किया गया है कि कंजरवेटिव पार्टी 53 सीटों पर ही सिमट सकती है। जो 2019 के चुनाव की 365 सीटों की तुलना में बेहद कम है। वहीं, 650 सीटों वाले सदन में कीर स्टारमर की लेबर पार्टी को सबसे कम 425 और अधिकतम 516 सीटें मिलने का अनुमान है। 7 सर्वे के औसत में भी सुनक को 95 और स्टारमर को 453 सीटें मिलती दिख रही है।

रहने के हिसाब से सबसे खराब शहर में शामिल हुआ कराची

नई दिल्ली। पाकिस्तान के शहर कराची को दुनिया के सबसे कम रहने योग्य 5 शहरों में से एक का दर्जा मिला है। हाल ही में हुए वैश्विक सर्वे में कराची को बेहद खराब रैंकिंग मिली है। पाकिस्तान का बंदरगाह शहर कराची कभी अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और आधुनिक शिक्षा के लिए मशहूर था लेकिन अब पाकिस्तान की तरह ही इसकी हालत भी बदतर हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, सर्वे एजेंसी ने स्वास्थ्य देखभाल, संस्कृति और पर्यावरण, स्थिरता, इंफ्रास्ट्रक्चर और शिक्षा सहित कई महत्वपूर्ण कारकों पर दुनिया भर के 173 शहरों की रैंकिंग की है। इस सूची में कराची 169वें स्थान पर है। कराची को कुल 42.7 स्कोर मिला है। स्थिरता संकेतक में कराची ने बेहद खराब प्रदर्शन करते हुए 100 में से महज 20 अंक हासिल किए। कराची को स्वास्थ्य के लिए 54.2, संस्कृति और पर्यावरण के लिए 35.9, शिक्षा के लिए 75 और इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 51.8 अंक मिले। सर्वे में कराची को दुनिया के सबसे कम रहने योग्य 5 शहरों में रखा गया है। सीरिया की राजधानी दमिश्क को दुनिया में सबसे कम रहने योग्य शहर माना गया है। नीचे से दूसरे स्थान पर लीबिया की राजधानी त्रिपोली, तीसरे पर अल्जीरिया का शहर अल्जीयर्स, चौथे पर नाइजीरिया का लागोस और पांचवें स्थान पर कराची है। वहीं ऑस्ट्रिया की राजधानी पिछले कई सालों की तरह इस बार भी दुनिया का सबसे ज्यादा रहने योग्य शहर है। 98.4 अंकों के साथ यह लिस्ट में शीर्ष पर कायम है। डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन ने भी अपना दूसरा स्थान कायम रखा है, जबकि स्विट्जरलैंड का ज्यूरिख पहले छठे स्थान पर था जो अब तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

खून देखकर मिलती है खुशी......10 साल की उम्र में कर दिया मर्डर

लंदन। आप क्राइम थ्रिलर और मर्डर से जुड़ी खबरों में दिलचस्पी रखते हैं, तब ये खबर आपके लिए है। इंग्लैंड की रहने वाली मैरी बेल ने 10 साल की उम्र में, चार साल की मार्टिन ब्राउन का गला घोंटकर हत्या कर दी थी और अपने परिवार को एक नोट लिखकर इसकी जानकारी दी।

इस मर्डर के दो माह बाद मैरी बेल ने तीन साल की ब्रायन होवे को मार डाला। मैरी ने कई अन्य बच्चों का गला घोंटने का प्रयास कर अपने नोट्स में हत्या जारी रखने की इच्छा व्यक्त की। लगातार कई हत्याओं में दोषी होने के बाद मैरी पर केस दर्ज हुआ और मुकदमा चला और ये माना गया कि मैरी सिर्फ अपनी खुशी के लिए खून करती है। जिसके बाद मैरी को 12 साल की सजा हुई। मैरी की मां बेट्टी मैकक्रिकेट एक 16 साल की सेक्स वर्कर थी। वे अक्सर मैरी बैल को छोड़कर घूमने निकल जाती थी। तब मैरी बैल के साथ किस तरह का बर्ताव होता था ये कहा नहीं जा सकता। उसकी मां ने ये कोशिश की थी कि कोई उसे कोई एडोप्ट कर ले। लेकिन बात नहीं बन सकी। बताया जाता है बचपन में ठीक से परवरिश न मिलने के कारण मैरी का व्यवहार ऐसा हुआ है। हत्या के मामले में मैरी और नोर्मा को स्कूल के बाहर पकड़ा गया था, लेकिन तुरंत रिहा कर दिया गया। मार्टिन की हत्या के बारे में मैरी के दावों को शुरू में ध्यान आकर्षित करने वाला बताकर खारिज कर दिया गया था। लेकिन मैरी की तरफ से हत्या की घटनाएं बंद नहीं हो रही थीं। इसके बाद मैरी के खतरनाक स्वभाव और बच्चों के प्रति उसके खतरे को देखते हुए, मैरी बेल को अनिश्चितकालीन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

प्रति व्यक्ति आय में महाराष्ट्र पिछड़ा, विधानसभा चुनावों में बन सकता है मुद्दा

-तेलंगाना पहले नंबर पर तो कर्नाटक और हरियाणा भी आगे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र के पहले दिन आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया गया। इसमें देश में प्रति व्यक्ति आय के मामले में तेलंगाना जहां शीर्ष पर है तो वहीं महाराष्ट्र छठें स्थान पर आ गया है, वहीं गुजरात, महाराष्ट्र से आगे है। आर्थिक सर्वेक्षण में सामने आई यह तस्वीर आगामी चुनावों में महायुति सरकार के घटक दलों के लिए सिरदर्द बन सकती है। लोकसभा चुनावों में महाविकास आघाडी ने महाराष्ट्र का विकास नहीं होने और राज्य से उद्योग-धंधे गुजरात जाने को मुद्दा बनाया था।

उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना ने हीरे का कारोबार सूरत शिफ्ट होने और सेमीकंडक्टर प्लांट को गुजरात जाने पर बीजेपी और एकनाथ शिंदे की शिवसेना को घेरा था। महाराष्ट्र आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 में सामने आया है कि राज्य प्रति व्यक्ति आय में छठवें नंबर पर है। महाराष्ट्र में प्रति व्यक्ति की आय 2,52,389 रुपए बताई गई है। प्रति व्यक्ति आय के मामले में तेलंगाना पहले नंबर पर है तो वहीं दुसरी नंबर पर कर्नाटक और फिर हरियाणा है।

महाराष्ट्र के गुजरात के पीछे होने को महाविकास आघाडी मुद्दा बना सकती है। आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि 2021-22 में बड़े उछाल के बाद महाराष्ट्र का विकास इंजन धीमा हो गया है। महामारी में अर्थव्यवस्था तो बनी लेकिन बची भी और कायम भी रही। इसके बाद इसके बढ़ने की उम्मीद थी, शुरुआत तो अच्छी हुई, लेकिन चीजें ठीक नहीं चल रही हैं। यह चिंता का कारण होना चाहिए। वित्तीय वर्ष 2021-2022 और पिछले आर्थिक सर्वेक्षण में महाराष्ट्र प्रति व्यक्ति आय के मामले में पांचवें नंबर पर था। तब कर्नाटक, तेलंगाना, हरियाणा और तमिलनाडु उससे आगे थे। पिछले सर्वेक्षण में महाराष्ट्र के लोगों की प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी हुई थी। यह वित्तीय वर्ष 2021-2022 के मुकाबले 2,15,233 रुपए से बढ़कर 2,42,247 रुपए हो गई थी। इस बार के सर्वेक्षण में भी प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 2,52,389 रुपए हुई, लेकिन महाराष्ट्र, गुजरात से पीछे हो गया है।

तमिलनाडु विधानसभा ने नीट को रद्द करने का प्रस्ताव किया पारित, विपक्ष ने किया वॉकआउट

चेन्नई (एजेंसी)। सदन से विपक्ष के बहिर्गमन के बावजूद तमिलनाडु विधानसभा ने शुक्रवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र से राज्य से एनईईटी को खत्म करने और छात्रों को 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अनुमति देने का आग्रह किया। प्रस्ताव को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि सत्तारूढ़ द्रमुक राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित एनईईटी के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगी, जो स्नातक परीक्षाओं और अन्य कार्यक्रमों के संचालन में कथित अनियमितताओं को लेकर जांच के दायरे में है।

राहुल गांधी, अखिलेश यादव और तेजस्वी सूर्या समेत कई नेताओं ने पत्र लिखकर नीट पर रोक लगाने की मांग की है। स्टालिन ने कहा कि मैं विधानसभा से आग्रह करता हूं कि हमें एनईईटी से छूट दिलाने और देश भर में एनईईटी को हटाने के लिए इस प्रस्ताव को एक अग्रदूत के रूप में पारित किया जाए। प्रस्ताव के अनुसार, एनईईटी ने ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों की चिकित्सा की पढ़ाई की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया और स्कूली शिक्षा को बेकार कर दिया, और मेडिकल कॉलेजों में छात्रों के लिए सीटें आवंटित करने का अधिकार छीन लिया। स्टालिन ने कहा कि एनईईटी को हटाया जाना चाहिए। तमिलनाडु को छूट दी जानी चाहिए। केंद्र सरकार को विधानसभा द्वारा पारित विधेयक को मंजूरी देनी चाहिए, जिसमें चिकित्सा की पढ़ाई के लिए 12वीं कक्षा के अंकों को आवश्यक योग्यता के रूप में अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, चूंकि कई राज्य परीक्षा प्रणाली का विरोध कर रहे हैं, जिसे कई विवादों का सामना करना पड़ा है, इसलिए एनईईटी को हटाने के लिए, केंद्र द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम में आवश्यक संशोधन किए जाने चाहिए। भाजपा विधायक नैनार नागेंद्रन ने प्रस्ताव का विरोध किया और दावा किया कि यह कांग्रेस ही थी जो नीट लेकर आई थी। विपक्ष के विधानसभा से बाहर जाने से पहले नागेंद्रन ने कहा कि एनईईटी जरूरी है और इसलिए हम इस प्रस्ताव का समर्थन नहीं कर सकते और हमने वॉकआउट करने का फैसला किया है।

हद हो गई... जेल जाते वक्त मेकअप करती दिखी पवित्रा गौड़ा, पुलिस ने महिला सब इंस्पेक्टर को नोटिस जारी किया

बेंगलुरु। कर्नाटक पुलिस ने रेणुकास्वामी हत्याकांड की आरोपी और अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा के मामले को लेकर महिला सब इंस्पेक्टर को नोटिस जारी कर दिया है। दरअसल कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन थुगुदीपा की सहयोगी और अभिनेत्री पवित्रा को पुलिस हिरासत में मेकअप करते हुए देखा गया। बता दें कि 15 जून को, पवित्रा को बेंगलुरु में अपराध स्थल की जानकारी दर्ज करने के लिए उनके बेंगलुरु स्थित आवास पर ले जाया गया। इस दौरान, पवित्रा को अपने घर से जेल जाते समय लिपस्टिक और मेकअप लगाए और मुस्कुराते हुए देखा गया था। इस हरकत के बाद पवित्रा गौड़ा का नाम फिर से चर्चा में आ गया और मामले में बहस छिड़ गई। डीसीपी (पश्चिम) के कार्यालय से एसआई को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। पुलिस ने नोटिस में कहा है, उस दिन उन्होंने पवित्रा को मेकअप क्यों करने दिया गया। इस बीच, पवित्रा गौड़ा की मां और बेटी ने केंद्रीय जेल में मुलाकात की और इस दौरान वे रो पड़ीं। सूत्रों से पता चला कि दूसरी ओर, पुलिस अधिकारियों ने दर्शन के पास मौजूद दो अमेरिकी निर्मित पिस्तौल को जब्त करने का आदेश पारित किया है।

सुधांशु त्रिवेदी का विरोधियों पर तंज.... राम का अस्तित्व नकारने वाले आज सबूत दे रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश करते हुए भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि हमारी सरकार ने नालंदा विश्वविद्यालय को पुनर्स्थापित करने का फैसला किया। नालंदा विश्वविद्यालय को लेकर राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि आप पुस्तकों को जला सकते हैं, इमारतों को जला सकते हैं, लेकिन भारत के ज्ञान और संस्कृति को नहीं जला सकते। उन्होंने कहा कि जब भारत की सांस्कृतिक चेतना की बात होती है, तब हमारे मन में भव्य राम मंदिर की बात भी आती है। इस बार अयोध्या सीट पर हमें वांछित सफलता नहीं मिली। इसके बाद विपक्ष के चेहरों पर चमक दिखाई पड़ती है। हमारे विरोधी बता रहे हैं कि आप अयोध्या हार गए, बस्ती हार गए, चित्रकूट हार गए, प्रयागराज हार गए, नासिक, रामटेक और रामेश्वरम हार गए।

जो लोग पहले कहते थे राम हुए थे, इसका सबूत दो, वे लोग आज उत्तर से लेकर दक्षिण तक राम से जुड़े सबूत दे रहे हैं। यूपी में 30 साल पहले कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और बसपा ने मिलकर सरकार बनाई थी। तब एक नारा लगा था, 'मिले मुलायम कांशीराम, हवा में उड़ गए जय श्री राम। हम तभी हवा में नहीं उड़े थे और कुछ समय बाद ही अपनी सरकार बनाकर दिखा दी थी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने लक्ष्य रखा था कि 2030 तक भारत की इंस्टॉल कैपेसिटी पावर जेनरेशन का 40 प्रतिशत तक ग्रीन एनर्जी से होगा। पहले हमेशा सरकारें देर से लक्ष्य हासिल करती थी, पहली बार भारत के इतिहास में यह लक्ष्य 8 साल पहले वर्ष 2022 में हासिल कर लिया गया।

उन्होंने कहा कि लोगों के घर पर सोलर रूफटॉप लग रहे है। यह एक ऐसी योजना होगी, जिससे पर्यावरण पर किसी भी प्रकार का प्रभाव नहीं होगा। मुफ्त की ऊर्जा मिल रही है, वह भी सरकारी खजाने पर प्रभाव डाले बिना। हम हाइड्रोजन एनर्जी मिशन की ओर बढ़ रहे हैं। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सत्ता पक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि आप जो बोल रहे हैं, कौन सुन रहा है आपका भाषण, हम नहीं सुन रहे।

भविष्य में बीजेपी के साथ जाने का कोई औचित्य नहीं: दुष्यंत चौटाला

-जेजेपी के साथ मिलकर कांग्रेस राज्यसभा में उतारे उम्मीदवार, हम देंगे साथ

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री और जननायक जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दुष्यंत चौटाला बीजेपी के साथ हुए गठबंधन को लेकर खुलकर बोले उन्होंने कहा है कि जेजेपी को बीजेपी के साथ गठबंधन करके भारी नुकसान हुआ है। दुष्यंत ने कहा कि भविष्य में बीजेपी के साथ जाने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता में बीजेपी के प्रति भारी रोष था, जिसका खमियाजा जेजेपी को उठाना पड़ा।

हरियाणा में राज्यसभा की एक सीट पर होने वाले चुनाव में कांग्रेस और बीजेपी मिलकर खेल रहे हैं। अगर कांग्रेस वाकई बीजेपी को टक्कर देना चाहती है तो सांझा सामाजिक राज्यसभा उम्मीदवार उतारे, हम साथ देने को तैयार हैं। कांग्रेस पहले ही मैदान छोड़ रही है, भूपेंद्र हुड्डा की ओर से नंबर न होने की बात कहना बीजेपी के साथ मैच फिक्सिंग जैसा दिखता है। कांग्रेस किसी भी सामाजिक व्यक्ति या किसी खिलाड़ी को राज्यसभा में भेजे, विपक्ष पूरी तरह से एकजुट होगा।

भविष्य की रणनीति पर दुष्यंत ने कहा कि 5 जुलाई से जेजेपी की ओर से जिलास्तर पर बैठकें की जाएंगी। सभी 22 जिलों में कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेकर विधानसभा चुनाव की तैयारी की जाएगी। जेजेपी प्रदेश की सभी 90 विधानसभा सीटों पर अपना उम्मीदवार उतारेगी। लोकसभा में चुनाव का नारा मोदी हराओ या मोदी जिताओ था, लेकिन विधानसभा में परिणाम इसके उलट होंगे। हरियाणा में लगातार बढ़ रही अपराध के मुद्दे पर नायब सैनी सरकार को घेरते हुए दुष्यंत ने कहा कि पिछले एक सप्ताह में हत्या, लूट जैसी अनेक आपराधिक घटनाएं हुईं, जो 20 साल में एक सप्ताह में कभी नहीं हुई। सीएम नायब सैनी को गृह विभाग छोड़कर किसी अन्य मंत्री को देना चाहिए।

वहीं, राज्यसभा चुनाव के लिए संयुक्त उम्मीदवार उतारे जाने को लेकर दुष्यंत के बयान पर नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि इस चुनाव को लेकर कांग्रेस का स्टैंड साफ है। वे 14 विधायक एकत्र करके दें, कांग्रेस के सभी विधायक निर्दलीय उम्मीदवार को वोट देकर राज्यसभा पहुंचाएंगे। हुड्डा ने दुष्यंत का नाम लिए बिना कहा कि चाहें तो वह अपने प्रत्याशी उतार दें, लेकिन बीजेपी के खिलाफ अगर उनकी नियत है तो 14 विधायक एकजुट करें। अलग-अलग बयानों के बजाय विधायकों को एकजुट करने में अपनी ऊर्जा लगाएं ताकि बीजेपी को हरा सकें।

यूपी सरकार ने किया मेडिकल सीट लीविंग बॉन्ड पॉलिसी को खत्म

-अगले साल फिर से दाखिला लेने पर रोक रहेगी बरकरार

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के मेडिकल कॉलेज से पढ़ाई कर रहे हैं या करने जाने वालों के लिए एक अच्छी खबर आई है। अब योगी सरकार ने उत्तरप्रदेश में मेडिकल सीट लीविंग बॉन्ड पॉलिसी को खत्म करने का फैसला लिया है। ये एमबीबीएस, बीडीएस या पीजी मेडिकल कोर्स करने वालों के लिए किसी बड़े बदलाव से कम नहीं, जिसका इंतजार वह सालों से करते थे।

अगर आप मेडिकल की सीट छोड़ते, यानी किसी भी कारण से पढ़ाई बीच में छोड़ते हैं तो आपको उस कॉलेज को एक मोटी रकम जुर्माने के तौर पर देनी पड़ती थी जहां से आप पढ़ाई कर रहे होते थे। एमबीबीएस, बीडीएस के लिए यूपी सरकार मेडिकल कॉलेजों में एक लाख रुपए और निजी मेडिकल कॉलेजों में पूरी फीस देनी पड़ती थी। जबकि पीजी की सीट छोड़ने पर पांच लाख रुपए का जुर्माना देना होता था।

अब यूपी की योगी सरकार ने मेडिकल की पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले छात्रों पर लगाया जाने वाला जुर्माना हटा दिया है लेकिन, अगले साल फिर से दाखिला लेने पर रोक बरकरार रहेगी। हालांकि, इस बड़े फैसले के साथ ही मेडिकल सीट लिविंग बॉन्ड भरवाने का नियम खत्म करने वाला यूपी दूसरा राज्य बन गया है। इससे पहले मध्यप्रदेश ऐसा फैसला कर चुका है।

मेडिकल एजुकेशन महानिदेशक, किंजल सिंह ने बताया कि एमबीबीएस कोर्स छोड़ने वाले छात्र पहले से ही बहुत दबाव में होते हैं क्योंकि वे एक सुनहरा करियर छोड़ रहे होते हैं। वे ऐसा अंतिम विकल्प के रूप में करते हैं और उनके पास वाजिब कारण होते हैं, जिनमें आर्थिक कारण भी शामिल हैं। ऐसी स्थिति में, सरकार ने सोचा कि उनसे जुर्माने के रूप में पैसे लेना सही फैसला नहीं है। इसलिए, जुर्माने के वित्तीय हिस्से को खत्म कर दिया है। किंजल ने नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के साथ बातचीत के आधार पर एक प्रस्ताव भेजा था। उन्होंने कहा कि जुर्माने का दूसरा हिस्सा वही रहेगा जहां एक उम्मीदवार को अगले साल नीट एग्जाम और काउंसलिंग में भाग लेने से रोक दिया जाएगा।

सिंह ने कहा कि हम यूपी में एमबीबीएस सीट्स और कॉलेजों की संख्या बढ़ा रहे हैं। हमारा ध्यान ज्यादा से ज्यादा उम्मीदवारों को डॉक्टर बनने में मदद करना है। इसलिए, छात्रों के हित में सीट छोड़ने के बॉन्ड में उल्लिखित वित्तीय दंड को खत्म करने का निर्णय लिया गया है लेकिन यहां पैसा महत्वपूर्ण नहीं है ऐसे में, हमें उम्मीदवार के साथ सहानुभूति रखने की जरूरत है, इस फैसले को ध्यान में रखते हुए कि वे

अपना पूरा करियर दांव पर लगा रहे हैं। यूपी में वर्तमान में 60 से ज्यादा मेडिकल कॉलेजों में 9278 एमबीबीएस और 2070 बीडीएस सीटें हैं। एक दर्जन से ज्यादा नए मेडिकल कॉलेजों के 2024 नीट काउंसलिंग में शामिल होने की उम्मीद है। यूपी में एमबीबीएस सीटों की संख्या 10,000 से ज्यादा होने की उम्मीद है।

आईसीसी टी20 विश्वकप में आज होगा भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खिताबी मुकाबला

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट में शनिवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खिताबी मुकाबला होगा। इसमें जीत के लिए दोनों ही टीमें पूरी ताकत लगा देंगी। दोनों ही टीमें अब तक इस टूर्नामेंट में सभी मैच जीती है जिससे इनका मनोबल बढ़ा हुआ है। अब दोनों का ही लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर फाइनल में जीत दर्ज करना रहेगा। दक्षिण अफ्रीका जहां पहली बार विश्वकप के फाइनल में पहुंची है। वहीं भारतीय टीम पिछले एक दशक से आईसीसी खिताब नहीं जीत पायी है। ऐसे में रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम फाइनल जीतकर खिताबी सूखा समाप्त करना चाहेगी। वहीं दक्षिण अफ्रीका भी अपना पहला खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। अपने फाइनल तक के अभियान में दोनों टीमें सभी मैच जीती हैं पर बड़े टूर्नामेंटों के कई फाइनल मैचों को खेलने के अनुभव के कारण भारतीय टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार रहेगी।

वहीं दक्षिण अफ्रीका की टीम दबाव में बिखरने के चोकर्स के अपने तमगे को पीछे छोड़कर फाइनल में पहुंची है और ऐसे में वह खिताबी मुकाबले में भी जीत चाहेगी।

भारतीय टीम इस मैच को जीतकर कोच राहुल द्रविड़ को एक अच्छी विदाई देना चाहेगी। जिन्होंने 2007 के कैरेबियाई देशों में खेले गये एकदिवसीय विश्व कप में टीम की कप्तानी की थी। इस विश्व कप में भारत शुरुआती चरण से बाहर हो गया था। ऐसे में जीत के साथ ही एक कोच के रूप में टीम उन्हें यादगार विदाई देने की कोशिश करेगी।

भारत निश्चित रूप से पिछले मैच के अंतिम एकादश पर कायम रहेगा, लेकिन टीम को कम से कम दो खिलाड़ियों से दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दिग्गज विराट कोहली अब तक टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके हैं और अब उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। रोहित इस मैच में भी आक्रामक अंदाज अपनाएंगे। भारतीय कप्तान को दबाव वाले मैच में शिवम दुबे से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद होगी। टूर्नामेंट में अब तक लचर प्रदर्शन के बाद भी वह केशव महाराज और तबरेज शम्सी जैसे स्पिनरों के खिलाफ बड़े

शॉट खेलकर नायक बन सकते हैं। ऋषभ पंत और सूर्यकुमार यादव मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं तो हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा ने छोटी लेकिन प्रभावी पारियां खेली हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और स्पिनर कुलदीप यादव जबरदस्त लय में हैं। वहीं दूसरी ओर कप्तान एडेन मार्करम की दक्षिण अफ्रीकी टीम को क्विंटन डिकॉक और रीजा हेंड्रिक्स की सलामी जोड़ी से रनों की उम्मीदें होंगी। सुपर आठ में ये बड़ी टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके लेकिन फाइनल में टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन को तैयार होंगे। इस प्रारूप के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में शामिल हेनरिच क्लासेन भी टीम के लिए बड़ी पारी खेल सकते हैं। टीम के पास अच्छे गेंदबाज हैं। कैगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्टजे के पास तेज गेंदबाजी जबकि तबरेज शम्सी और केशव महाराज के पास स्पिन विभाग की कमान रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होगा।

टीम

भारत – रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह।

दक्षिण अफ्रीका – एडेन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेट कीपर), रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को जेनसन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्टजे, तबरेज शम्सी।

गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर के ओलंपिक में खेलने पर संदेह

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के शीर्ष गोला फेंक खिलाड़ी गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर पाल सिंह तूर ने टखने में दर्द के कारण राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप से अपना नाम वापस ले लिया है। ये प्रतियोगिता आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने का अंतिम अवसर है। ऐसे में अब देखना होगा कि तूर को पेरिस ओलंपिक का टिकट मिलता है या नहीं। पिछले महीने ही भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिले सुमारिवाला ने साफ कर दिया था कि ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को छोड़कर अन्य सभी खिलाड़ियों के लिए पेरिस ओलंपिक में चयन के लिए राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप में भाग लेना अनिवार्य होगा। ऐसे में अब देखना है कि तूर का मामला किस प्रकार से हल किया जाता है।

कुछ दिन पहले तक एशियाई रिकॉर्ड धारक तूर विश्व रैंकिंग कोटा के जरिए पेरिस खेलों के लिए क्वालिफाई करने की राह पर थे पर असफल रहे। वह गत एशियाई चैंपियन और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हैं। हालांकि, अब उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया है। तूर ने बताया कि अभी उनके टखने में थोड़ा दर्द है जिसकी वजह से डॉक्टर ने सिंह को तीन से चार हफ्तों तक थ्रो नहीं करने की सलाह दी है। तूर के नाम कुछ समय पहले तक 21.77 मीटर का एशियाई रिकॉर्ड था। सऊदी अरब के मोहम्मद दाओबा तोलो ने 21 जून को मैड्रिड में एस्टाडियो वालेहर्मोसो प्रतियोगिता में 21.80 मीटर के प्रयास के साथ उनके रिकॉर्ड को तोड़ा। ऐसे में एथलेटिक्स महासंघ तूर के मामले को किस प्रकार संभालता है।

टी20 में स्ट्राइक रेट पर अधिक जोर दिया जा रहा : मिलर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर डेविड मिलर ने कहा है कि जिस प्रकार से आजकल टी20 क्रिकेट हो रहा है और स्ट्राइक रेट पर ही जोर दिया जा रहा है। उस स्थिति में आने वाले समय में खिलाड़ी बेहतर औसत नहीं बल्कि तेजी से खेलने की क्षमता के आधार पर ही चयनित किये जाएंगे। मिलर पिछले कुछ साल में फिनिशर की भूमिका में ही नजर आये हैं। मिलर ने कहा, 'हमने इस साल कुछ बड़े स्कोर देखे हैं। कुछ टीमों के साथ ही कुछ खिलाड़ियों ने जबरदस्त बल्लेबाजी की है। मैंने हमेशा देखा है कि हर कोई बल्लेबाज को औसत के आधार पर आंकता है।

साथ ही कहा, 'टी20 क्रिकेट में किसी को पूरी तरह से इस आधार पर आंकना कठिन हो सकता है। शीर्ष तीन बल्लेबाजों के साथ निश्चित रूप से आप ऐसा कर सकते हैं, उन्हें बल्लेबाजी करने के लिए मिलने वाले ओवरों की संख्या पर्याप्त होती है। वहीं मध्य क्रम की बात आती है तो यह हमेशा स्ट्राइक रेट और बल्लेबाज के खेल का मैच पर पड़ने वाले प्रभाव की बात होती है, ऐसे में मुझे लगता है कि लोगों को मैच जीतने की क्षमता के आधार पर टीमों का चयन करना होगा।

द्रविड़ और रोहित ने कोहली का समर्थन किया, कहा- टी20 विश्व कप फाइनल में बड़ी पारी खेलेंगे

जॉर्जटाउन (गयाना) (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा ने खराब फॉर्म में चल रहे विराट कोहली का समर्थन करते हुए उम्मीद जताई कि यह स्टाइलिश बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप के फाइनल में बड़ी पारी खेलेगा। टी20 विश्व कप से पहले आईपीएल में सर्वाधिक 741 रन बनाने वाले कोहली इस टूर्नामेंट में अभी तक सात पारियों में केवल 75 रन बना पाए हैं।

द्रविड़ ने सेमीफाइनल में भारत की इंग्लैंड पर 68 रन की जीत के बाद कहा, 'आपने देखा होगा कि जब भी विराट थोड़ा जोखिम भरा क्रिकेट खेलते हैं तो हो सकता है कि कुछ अवसरों पर उन्हें सफलता न मिले।' उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड के खिलाफ भी उन्होंने वास्तव में अच्छा छक्का जड़ा लेकिन भाग्य ने उनका साथ नहीं दिया और गेंद को थोड़ा ज्यादा मूवमेंट मिल गया। लेकिन जिस तरह से वह खेलते हैं, वह मुझे पसंद है।'

द्रविड़ ने कहा, 'मैं इसमें किसी तरह का मिथक नहीं जोड़ना चाहता हूं लेकिन मुझे उम्मीद है कि वह जल्द ही बड़ी पारी खेलेंगे। मुझे उनका रवैया और समर्पण पसंद है।' कप्तान रोहित ने भी उम्मीद जताई कि कोहली फाइनल में बड़ी पारी खेलने सफल रहेंगे।

रोहित ने कहा, 'वह बेहतरीन खिलाड़ी है। कोई भी खिलाड़ी इस तरह के दौर से गुजर सकता है। हम समझते हैं कि वह कितना कुशल खिलाड़ी है और हम बड़े मैचों में उनके महत्व को समझते हैं।' उन्होंने कहा, 'फॉर्म कभी कोई समस्या नहीं रही क्योंकि जब आप 15 साल से क्रिकेट खेलते रहे हों तो फॉर्म समस्या नहीं बनती। वह शानदार लय में दिख रहे हैं। उनके इरादे स्पष्ट हैं। संभवतः उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन फाइनल के लिए बचा कर रखा है।'

टूर्नामेंट में अभी तक तीन अर्धशतक की मदद से 248 रन बनाने वाले रोहित भारत के पहले ऐसे कप्तान हैं जिनकी अगुवाई में टीम 12 महीने के अंदर तीसरी बार आईसीसी के किसी टूर्नामेंट के फाइनल में खेलेगी। भारत ने पिछले साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई थी।

द्रविड़ ने रोहित की प्रशंसा करते हुए कहा, 'मैं उनके बारे में जो कुछ भी कहूंगा वह कम होगा। जिस तरह से उन्होंने टीम के साथ काम किया, उनकी रणनीति, उनकी परिपक्वता और टीम के प्रति उनका रवैया के बारे में जितना भी कहा जाए कम होगा।'

व्यक्तिगत प्रदर्शन महत्वपूर्ण होता है लेकिन रोहित ने कहा कि सामूहिक प्रयास से मैच जीतना संतोषप्रद रहा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमने परिस्थितियों से अच्छी तरह तालमेल बिठाया। परिस्थितियां थोड़ी चुनौती पूर्ण थी। हमने उनसे सामंजस्य बिठाया और यह अब तक हमारी सफलता की कहानी है। आप जानते हैं कि इस मैच तक हमने वास्तव में परिस्थितियों से अच्छी तरह से तालमेल बिठाया है।'

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले फाइनल के बारे में पूछे जाने पर रोहित ने कहा, 'हमें पूरे 40 ओवर तक अच्छे फैसले करने होंगे और इससे हमें मैच अपने पक्ष में करने में मदद मिलेगी। इंग्लैंड के खिलाफ मैच में भी हम शांत थे।' उन्होंने कहा, 'मैं यही कह सकता हूं कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। टीम अच्छी लय में है और हम अच्छी क्रिकेट खेल रहे हैं। मैं यही उम्मीद कर सकता हूं कि हम फाइनल में भी बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे।'

सचिन, हरभजन और युवराज ने अक्षर और कुलदीप को दिया जीत का श्रेय, सेमीफाइनल में पहुंचने पर टीम को बधाई दी

गयाना। महान बल्लेबाज सचिन तेंदलुकर के अलावा दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह और ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भारतीय टीम को टी20 विश्वकप के फाइनल में पहुंचने पर बधाई दी है। इसके साथ ही जीत में अहम भूमिका निभाने के लिए अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की अहम भूमिका की सराहना की है। सचिन ने कहा, कठिन पिच पर भारतीय टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 171 रन बनाए। अक्षर पटेल ने अपने पहले 3 ओवर की पहली गेंद पर अहम विकेट लिए जबकि कुलदीप यादव ने बीच के ओवरों में जबरदस्त गेंदबाजी को इंग्लैंड को दबाव में ला दिया। सचिन ने कहा कि हमारा कुल स्कोर 171 रन था जो इंग्लैंड के 167 के बराबर स्कोर से थोड़ा ही अधिक था, पर हमारी गेंदबाजी ने उसे बेहतर बना दिया। वहीं मनोज तिवारी ने कहा, रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम लगातार दूसरी बार विश्व कप फाइनल में पहुंची है। इससे साफ है कि रोहित की टीम ने फिर से बड़े मंच पर शानदार प्रदर्शन किया है। स्पिनरों के साथ ही तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने भी कमाल की गेंदबाजी की। वहीं हरभजन ने कहा, फ फाइनल में पहुंचने के लिए टीम इंडिया को बधाई। बढ़िया खेला कप्तान रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव। वहीं शानदार गेंदबाजी अक्षर पटेल और कुलदीप यादव व जसप्रीत बुमराह।

रहाणे अब लीसेस्टरशर की ओर से खेलेंगे

लीसेस्टर। भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे अब इंग्लैंड में लीसेस्टरशर के लिए काउंटी चैम्पियनशिप और वन डे कप खेलते हुए नजर आयेंगे। रहाणे ने इस सत्र के दूसरे भाग के लिए लीसेस्टरशर के साथ करार किया है। क्लब के अनुसार रहाणे काउंटी चैम्पियनशिप के अंतिम पांच मैचों में खेलने के साथ ही वन डे कप में भी खेलेंगे। वह अगले माह जुलाई में टीम से जुड़ेंगे। गौरतलब है कि लीसेस्टरशर की टीम वन डे कप की गत चैम्पियन है। रहाणे

टीम में 36 वर्षीय खिलाड़ी वियान मुल्डर की जगह लेंगे। मुल्डर ने अपना नाम वापस ले लिया है। वह अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के साथ वेस्टइंडीज दौरे जा रहे हैं। रहाणे ने अब तक अपने करियर में सभी प्रारूपों (प्रथम श्रेणी, लिस्ट-ए और टी20) में 51 शतक की मदद से 26,000 से अधिक रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर 265 रन रहा है। उन्होंने भारतीय टीम के लिए सभी प्रारूप में 15 शतकों के साथ 8000 से अधिक रन बनाए हैं। रहाणे ने करार पर खुशी जताते हुए कहा, 'मैं लीसेस्टरशर की टीम से जुड़कर काफी उत्साहित हूं और इस सत्र में टीम से जुड़ने का इंतजार कर रहा हूं। मैंने पिछले साल टीम के परिणामों को देखा और उससे काफी प्रभावित हुआ। मुझे उम्मीद है कि मैं अपनी क्रिकेट का आनंद लूंगा और इस सत्र में क्लब की अधिक सफलता में योगदान दूंगा। रहाणे जुलाई के मध्य में टीम से जुड़ेंगे। वहीं लीसेस्टरशर के क्रिकेट निदेशक क्लाउड हेंडरसन ने कहा, 'हम लीसेस्टरशर में रहाणे जैसे शानदार खिलाड़ी का स्वागत करने के उत्सुक हैं। उनके पास अपार अनुभव है जिससे हमारी टीम को लाभ होगा।

शेफाली वर्मा ने रचा इतिहास, टेस्ट क्रिकेट में ठोका सबसे तेज दोहरा शतक

चेन्नई (एजेंसी)। भारत की आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा शुक्रवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के दौरान ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ते हुए महिला टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने वाली खिलाड़ी बन गई।

20 साल की शैफाली ने सिर्फ 194 गेंदों पर अपना दोहरा शतक पूरा कर सदरलैंड को पीछे छोड़ा। ऑस्ट्रेलिया की खिलाड़ी ने इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 248 गेंदों पर दोहरा शतक बनाया था। शेफाली भारत की पूर्व कप्तान कप्तान मिताली राज के बाद लगभग 22 वर्षों के लंबे समय अंतराल पर टेस्ट क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाली दूसरी भारतीय भी बनीं। मिताली ने अगस्त 2002 में टॉनटन में इंग्लैंड के खिलाफ ड्रा हुए दूसरे टेस्ट के दौरान 407 गेंदों पर 214 रन बनाए थे।

शेफाली ने अपनी आक्रामक पारी में 23 चौके और आठ छक्के जड़े। उन्होंने डेलमी टकर के खिलाफ लगातार दो छक्के लगाने के बाद एक रन चुराकर अपना दोहरा शतक पूरा किया। वह 197 गेंद में 205 रन बनाकर रन आउट हुई। शेफाली को सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का अच्छा साथ मिला जिन्होंने 161 गेंद में 27 चौके और एक छक्का लगाया। दोनों ने पहले विकेट के लिए 312 गेंद में रिकॉर्ड 292 रन की साझेदारी कर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई।

दक्षिण अफ्रीका को हराना मुश्किल होगा- टी20 विश्व कप फाइनल पर रिकी पोंटिंग की दो टूक

बुखारेस्ट। (एजेंसी)। नई दिल्ली – ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना ??है कि दक्षिण अफ्रीका को टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ फाइनल में कुछ खास करने की जरूरत नहीं है। भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों टूर्नामेंट में अब तक अजेय रहने के साथ फाइनल में उतरेंगे। दक्षिण अफ्रीका ने टूर्नामेंट में अपने ऐतिहासिक सफर में सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को हराया, जबकि भारत ने सेमीफाइनल में गत चैंपियन इंग्लैंड को हराकर 2011 के बाद अपना पहला विश्व कप खिताब जीता।

एडेन मार्करम की अगुवाई वाली टीम अपना पहला विश्व कप फाइनल खेलेगी और पोंटिंग को लगता है कि यह प्रोटियाज खिलाड़ियों के लिए एक बहुत बड़ा अवसर है। पोंटिंग ने कहा कि बहुत-सी टीमें कहती हैं %यह सिर्फ एक और खेल है% और वे

इस अवसर से बचने की कोशिश करती हैं कि यह कितना बड़ा अवसर है। यह सब इसे वैसे ही स्वीकार करने के बारे में है जैसा यह है। उन्होंने कहा कि ये खिलाड़ी पहले वहां नहीं गए हैं, इसलिए आज रात का आनंद लें, कल का आनंद लें। सुनिश्चित करें कि आप जो कुछ भी नेतृत्व करते हैं वह वही है और आपकी तैयारी भी वही है।

पोंटिंग ने कहा कि टूर्नामेंट में अब तक के बढ़िया प्रदर्शन के बाद दक्षिण अफ्रीका फाइनल में भारत के खिलाफ अपने कौशल का समर्थन करना जारी रखेगा। वे यहां तक ??अपराजित हैं, इसलिए उन्हें कुछ भी बदलने की जरूरत नहीं है और उन्हें और अधिक प्रयास करने की जरूरत नहीं है। उन्हें बस आगे बढ़ने और खुद का सर्वश्रेष्ठ संस्करण बनने और एक टीम के रूप में खुद का सर्वश्रेष्ठ संस्करण बनने की जरूरत है। दिन और खुद को सर्वश्रेष्ठ मौका दें अगर वे ऐसा करते हैं, तो उन्हें हराना मुश्किल होगा।

बता दें कि भारत और दक्षिण अफ्रीका शनिवार, 29 जून को बारबाडोस में फाइनल के दौरान आमने-सामने होंगे। दक्षिण अफ्रीका ने फाइनल तक पहुंचने के लिए अपने सभी मुकाबले जीते हैं। वहीं, भारतीय टीम भी अब तक अजेय रही है।

रिलायंस फाउंडेशन ने पेरिस ओलंपिक के लिए बनाया इंडिया हाउस

नई दिल्ली। रिलायंस फाउंडेशन ने आगामी ओलंपिक खेलों को देखते हुए पेरिस में 'इंडिया हाउस' बनाया है। ये हाउस भारतीय ओलंपिक संघ के सहयोग से पेरिस के पार्क डे ला विलेट में बनाया गया है। इस पार्क में इंडिया हाउस के अलावा नीदरलैंड, कनाडा, ब्राजील और मेजबान फ्रांस समेत 14 देशों के कंट्री हाउस भी हैं। आईओसी की सदस्य और रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर नीता एम.अंबानी ने इंडिया हाउस बनाने पर खुशी जताते हुए कहा कि पेरिस ओलंपिक खेलों में पहली बार इंडिया हाउस की घोषणा करते हुए मैं बेहद खुश और उत्साहित हूं। यह एक ऐसा स्थान होगा जहां हम अपने एथलीटों का सम्मान कर सकेंगे व अपनी टीम की जीत की खुशी मनाएंगे, अपनी कहानियाँ साझा करेंगे और दुनिया भर को भारतीयता के रंग में रंग देंगे। वहीं भारतीय ओलंपिक संघ की प्रमुख पीटी उषा ने कहा कि रिलायंस फाउंडेशन के साथ साझेदारी में इंडिया हाउस का उद्घाटन, पेरिस ओलंपिक में भारतीय प्रशंसकों और एथलीटों के लिए मुख्य आकर्षणों में से एक होगा। मैं इस पहल और भारत के ओलंपिक आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए आईओसी की सदस्य नीता अंबानी को धन्यवाद देना चाहूंगी। इंडिया हाउस में खेल प्रशंसकों के लिए विशेष वॉच पार्टियां आयोजित की जाएगी।

फ्लावर और मूडी ने तारोबा की पिच को खराब बताया

–यहीं हुआ था दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान का मुकाबला

तारोबा। जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एंडी फ्लावर और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर टॉम मूडी ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच यहां हुए पहले सेमीफाइनल की पिच खराब थी। फ्लावर के अनुसार असामान्य उछाल और सीम मूवमेंट के कारण इस पिच को खतरनाक कहा जा सकता है। इस पिच पर दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान को केवल 56 रनों पर समेटने के बाद नौ विकेट से मुकाबला जीत लिया था। फ्लावर ने कहा कि आप टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने के अफगानिस्तान के फैसले को गलत नहीं मान सकते। वह इस टूर्नामेंट में पहले बल्लेबाजी कर लक्ष्य का बचाव करने के मामले में शानदार रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस पिच पर हालांकि पहले बल्लेबाजी करना काफी कठिन था। आपको यह नहीं पता था कि इस पिच पर संघर्ष करने के लिए कितने रनों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि कुछ गेंदें बल्लेबाज के करीब टप्पा खाने के बावजूद कंधे और गर्दन तक उछल रही थी। ऐसी एक गेंद विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक के ऊपर से चार रन के लिए चली गयी। मैं इस बात को लेकर खुश हूं कि कोई चोटिल नहीं हुआ।

फ्लावर ने कहा कि पिच में मौजूद दरारों को देखकर पता चल गया था कि इसमें गेंदबाजों को असामान्य उछाल मिलेगा। उन्होंने कहा कि आपने स्क्वायर क्षेत्र के ऊपर से कुछ दिलचस्प दृश्य शॉट देखे और कुछ लोग इसे पूरी तरह से नई पिच बता रहे थे लेकिन अगर इस पिच की स्थिति खराब थी तो वे उस पिच का इस्तेमाल कर सकते थे जो पहले इस्तेमाल की गई थी। वहीं ऑस्ट्रेलिया क्रिकेटर टॉम मूडी ने भी कहा कि मुझे नहीं लगता कि आप इस प्रकार की पिच को किसी भी खेल में देखना चाहेंगे। मैदान पर बल्लेबाजों और गेंदबाजों को समान सहायता मिलनी चाहिये।

टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन के बाद से ही आलोचकों के निशाने पर हैं मिचेल मार्श

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम का प्रदर्शन इस बार आईसीसी टी20 विश्वकप में खराब रहा और टीम सेमीफाइन में नहीं पहुंच पायी। उसे सुपर आठ में अफगानिस्तान जैसी नई टीम से भी हार का सामना करना पड़ा। उसके कप्तान मिचेल मार्श का प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा। जिसके बाद से ही वह आलोचकों के निशाने पर हैं। मार्श की 2021 टी20 विश्वकप जीत में अहम भूमिका रही थी। इसी कारण उन्हें इस बार कप्तान बनाया गया था पर ये फैसला ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए नुकसानदेह रहा। टीम सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच सकी। खराब कप्तानी के अलावा मार्श ने कई कैच भी छोड़े। वह 7 मैचों में 20.83 के औसत और 116.82 के स्ट्राइक रेट से 125 रन ही बना पायी। गेंदबाजी के लिए फिट घोषित किए जाने के बावजूद उन्होंने एक भी ओवर नहीं

किया। उनकी फील्डिंग की तो जमकर आलोचना हुई। टूर्नामेंट के दौरान मार्श ने आधा दर्जन से अधिक कैच गिराये। इसमें से कुछ तो बेहद आसान थे। इसमें सुपर 8 में भारत के खिलाफ हार्दिक पंड्या का कैच भी शामिल था।

बल्लेबाजी और गेंदबाजी के साथ फील्डिंग ऑस्ट्रेलिया टीम का मजबूत पहलू है पर टी20 विश्वकप 2024 में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने 14 कैच गिरा दिये। 7 कैच तो मार्श ने ही गिरा दिये। स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच में ही उन्होंने 3 कैच छोड़े। टीम इंडिया के खिलाफ सुपर 8 के अहम मैच में मार्श ने एडम जंपा की गेंद पर बैकवर्ड पॉइंट पर पंड्या का आसान कैच छोड़ा था। पंड्या उस समय केवल 4 रन पर थे। यह कैच कंगारू टीम को महंगा पड़ा था। उसके बाद पंड्या ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 24 गेंदों पर एक चौके और दो छक्कों की मदद से नाबाद 27 रन बनाते हुए भारतीय टीम को 200 के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस मैच में भारत के खिलाफ मिली इस हार के बाद ऑस्ट्रेलिया का सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें भी काफी कम होकर बांग्लादेश और अफगानिस्तान मुकाबले पर टिक गयीं थीं। वहीं अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में मिचेल स्टॉर्क की जगह एस्टन एगर को शामिल करने और पहले गेंदबाजी करने का मार्श का फैसला भी ऑस्ट्रेलिया के कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने सही नहीं माना था क्योंकि किंग्सटाउन मैदान पर टी20 विश्वकप में अब तक कभी भी दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाली टीम नहीं जीती थी। दूसरी पारी के दौरान पिच और धीमी हो जाती है। अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में ऑस्ट्रेलिया को 21 रन की हार का सामना करना पड़ा था। कप्तान और प्लेयर के तौर पर नाकामी के अलावा मार्श का रवैया भी लोगों ने पसंद नहीं किया है। टीम की अफगानिस्तान के खिलाफ हार और भारत के खिलाफ अहम मैच से पहले, मार्श की बयानबाजी भी सही नहीं मानी गयी है।

समाचार गेट
TITLE CODE: HARHIN11369
स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीश बाबर द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर-6 नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, निकट सेक्टर-61, विलेज मलेरना, जिला फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक, कृष्ण शर्मा। सम्पादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, निकट सेक्टर-61, विलेज मलेरना, जिला फरीदाबाद (हरियाणा) पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: जगदत्त शर्मा, 9818180269, ईमेल : samachargate@gmail.com

मैं जैसी हूं, वैसी ही रहूंगी पौलोमी दास

बिग बॉस ओटीटी शो की कंटेस्टेंट एवं एक्ट्रेस पौलोमी दास ने कहा, मैं जैसी हूं, मैं वैसी ही रहूंगी। मैं इस जर्नी में खुद को खोना नहीं चाहती। इस शो के लिए हां कहने के पीछे की वजह के बारे में पौलोमी ने बताया, मैं कुछ महीने पहले तक तैयार नहीं थी, क्योंकि यह एक बहुत ही मुश्किल शो है।
ऐसा नहीं है कि आप कुछ टास्क करके निश्चिंत हो जाएंगे। इस शो के लिए आपको मेंटली स्ट्रांग होना होगा। पौलोमी ने कहा, मुझे लगा कि इस शो का हिस्सा बनने का यही सही समय है, क्योंकि मेरी जिंदगी में कुछ ऐसा चल रहा था, कुछ ऐसी चीजें जो गड़बड़ा गई, लेकिन कहीं न कहीं मेरे साथ जो हुआ वह सही था। इसलिए, मुझे शो के लिए हां कहना पड़ा। मुझे लगता है कि यह शो मुझे एक अलग इंसान बना देगा, और मुझे वह चीज भी देगा जिसकी मुझे तलाश है।मंत्र के बारे में बात करते हुए, पौलोमी ने कहा, मैं जैसी हूं, मैं वैसी ही रहूंगी। मैं इस जर्नी में खुद को खोना नहीं चाहती। शो में मेंटल ब्रेकडाउन को हैंडल करने के बारे में पौलोमी ने कहा, मुझे लगता है कि मैं उस वक्त बस जोर से रो पड़ूंगी। अगर मुझे रोने की जरूरत है, तो मैं रो दूंगी, क्योंकि उसके बाद दिल शांत हो जाता है। अगर आप अपने इमोशन्स को बाहर निकालते हैं, तो आपके दिल के अंदर चीजें सुलझ जाती हैं।
उन्होंने कहा, शो के अंदर मैं बहुत से लोगों का ऑब्जर्व करूंगी, और कभी-कभी अगर इसकी जरूरत हुई तो मैं उनसे सीखूंगी, लेकिन साथ ही मुझे उसमें पौलोमी का टच भी डालना होगा।बिग बॉस ओटीटी 3 में टीवी एक्टर साई केतन राव और सना मकबूल, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सना सुल्तान खान, विशाल पांडे और लवकेश कटारिया, वड़ा पाव गर्ल चंद्रिका दीक्षित, यूट्यूबर अरमान मलिक और उनकी दो पत्नियां पायल और कृतिका, एस्ट्रोलॉजर मुनीषा खटवानी, बॉक्सर नीरज गोयत, रैपर नावेद शेख उर्फ नैजी और यूट्यूब सेंसेशन शिवानी कुमारी जैसे कंटेस्टेंट्स हैं। बॉलीवुड सुपरस्टार अनिल कपूर द्वारा होस्ट किया जाने वाला यह शो जियोसिनेमा प्रीमियम पर स्ट्रीम हो रहा है।
बता दें कि एक्ट्रेस-मॉडल बनने से पहले पौलमी मार्केटिंग मैनेजर के तौर पर काम करती थीं। उन्होंने बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर इंडस्ट्री में कदम रखा। वह एक्टिंग करना चाहती थीं, वह सांवले स्किन टोन की वजह से कई बार रिजेक्ट हुई, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और ऑडिशन दिया। वह 2016 में इंडियाज नेक्स्ट टॉप मॉडल के दूसरे सीजन में बतौर कंटेस्टेंट नजर आई और फाइनलिस्ट बनीं। उसी साल वह स्टार प्लस के शो सुहानी सी एक लड़की में बेबी के किरदार में नजर आई। उन्होंने दिल ही तो है में काम किया।

चुनाव हारने के बाद फिल्म की ओर लौटे निरहुआ

भोजपुरी इंडस्ट्री के सितारे एक्टर दिनेश लाल यादव यानी निरहुआ ने चुनाव में हारने के बाद सिनेमा की ओर फिर से अपना रुख कर लिया है। उन्होंने हाल ही में एक फिल्म संकल्प की शूटिंग पूरी की। बता दें कि निरहुआ ने आजमगढ़ सीट से चुनाव लड़ा था, जिसमें सपा नेता धर्मेंद्र यादव ने उन्हें करीब सत्तर हजार वोटों से हरा दिया।
सिनेमा में वापस आने पर निरहुआ ने कहा, एक्टिंग मेरा मुख्य काम है, हमारी पार्टी भी कहती है कि जिस काम से पहचान मिलती है, उसको प्राथमिकता से करते रहना चाहिए। उसके साथ समाज के लिए भी वक्त निकालना चाहिए। जनता के आदेश से मैंने सेवा की और अब फिल्मों के माध्यम से उनका मनोरंजन करूंगा। उन्होंने कहा कि संकल्प की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है। फिल्म बेहतरीन है और मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शकों को यह पसंद आएगी। निरहुआ ने संकल्प की कहानी के बारे में बात करते हुए कहा कि यह फिल्म एक आम आदमी के संघर्ष और उसके दृढ़ संकल्प पर आधारित है। उन्होंने कहा, मैं फिल्म में मुख्य किरदार निभा रहा हूं और एक ऐसे युवक का किरदार निभा रहा हूं, जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए कई मुश्किलों का सामना करता है। यह युवाओं के लिए एक प्रेरणादायक फिल्म है। संकल्प राजघराना फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग अलग-अलग लोकेशन पर की गई है। फिल्म के निर्माताओं ने दावा किया कि इसमें शानदार गाने और दमदार म्यूजिक है। फिल्म मेकर आदित्य कुमार झा ने कहा कि निरहुआ ने पूरी टीम के साथ मिलकर बहुत मेहनत की है और उम्मीद है कि उनकी परफॉर्मेंस एक बार फिर दर्शकों को पसंद आएगी।

दिनेश विजान की मूवी में साथ आ रहे आयुष्मान खुराना और रश्मिका

निर्माता दिनेश विजान की हॉरर कॉमेडी फिल्म मुंज्या इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई कर रही है। कल्कि 2898एडी के प्रदर्शन से पुर्व फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 89 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त कर है। निर्देशक को पूरा विश्वास है कि उनकी फिल्म 100 करोड़ी क्लब में आसानी से शामिल होगी। वैसे वैश्विक स्तर पर फिल्म ने 100 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त कर ली है। प्रशंसकों को इसकी कहानी खुब पसंद आ रही है। फिल्म की सफलता से खुश निर्देशक आदित्य सतपोदार और दिनेश विजान एक और अनोखी हॉरर कॉमेडी बनाने के लिए तैयार हैं। अब दोनों मिलकर 'वैम्पायर्स ऑफ विजय नगर नामक एक अनोखी फिल्म लाने वाले हैं। अपनी इस फिल्म के लिए उन्होंने मुख्य भूमिका में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना को साइन किया है। यह जोड़ी पहली बार एक साथ किसी फिल्म में नजर आएगी। फिल्म की शूटिंग नवंबर से शुरू होगी। इससे पहले आयुष्मान, करण जौहर की अनटाइटल्ड स्पाई-थ्रिलर और अनुराग सिंह निर्देशित 'बॉर्डर 2' की शूटिंग पूरी करने वाले है। उनकी पिछली फिल्म पिछले साल आई 'ड्रीम गर्ल 2' थी। दूसरी ओर, रश्मिका साउथ इंडियन स्टार अलू अर्जुन के साथ 'पुष्पा 2' की शूटिंग पूरा करेंगी। 'पुष्पा 2' अब 6 दिसंबर को रिलीज होगी।

9 साल के फिल्मी कैरियर 1 हिट... फिर भी फीस 7 करोड़

आज हम आपको उस स्टार के बारे में बताते है, जो 1 साल की उम्र से फिल्मों में काम कर रहे हैं। लेकिन पूरे करियर में उन्होंने सिर्फ एक ही हिट फिल्म दी है, लेकिन उनका स्टारडम आज भी बरकरार है। अभिनेत्री को आज भी एक मूवी में काम करने के लिए करोड़ों की फीस मिलती है। वे कोई और नहीं बल्कि अखिल अक्किनेनी हैं। अखिल, साउथ फिल्म इंडस्ट्री के हाईएस्ट पेड सुपरस्टार नागार्जुन के बेटे और नागा चैतन्य के सौतेले भाई हैं। उनका जन्म कैलिफोर्निया में हुआ था। उन्होंने 16 साल की उम्र में अभियन को अपना करियर बनाया। अखिल अक्किनेनी ने महज 1 साल की उम्र में पिता की फिल्म में काम किया था। साल 1995 में नागार्जुन की फिल्म सिसिंदरी रिलीज हुई थी, जो असल में बेबीज डे आउट का हिंदी रीमेक था। फिल्म में अखिल पिता नागार्जुन के साथ नजर आए थे। बतौर लीड अभिनेता अपने करियर की शुरुआत करने से पहले अखिल अक्किनेनी ने फिल्म मनम में कैमियो किया था। उन्होंने साल 2015 में फिल्म अखिल से शुरुआत की। उनकी अभिनय की तारीफ हुई, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई। इसके बाद अखिल की दो फिल्में हैलो और मिस्टर मजनू भी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। उन्हें बॉक्स ऑफिस पर पहली सफलता फिल्म मोस्ट एलिजिबल बैचलर से मिली, जिसमें पूजा हेगड़े ने भी काम किया था। यह फिल्म अखिल अक्किनेनी के 9 साल के पूरे करियर में उनकी एकमात्र हिट है।

सैयामी खेर करेगी सनी देओल के साथ स्क्रीन शेयर

बालीवुड एक्ट्रेस सैयामी खेर अपकमिंग फिल्म में सनी देओल के साथ काम करती नजर आएंगी। जब से बॉलीवुड एक्टर सनी देओल ने देश की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म को लेकर साउथ डायरेक्टर गोपीचंद मलिनेनी के साथ हाथ मिलाया है, तब से फैंस इस बात को जानने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं कि इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस कौन होंगी।
मेकर्स ने अब एक्ट्रेस के नाम से पर्दा उठा दिया है। सैयामी ने इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए कहा कि वह इस फिल्म का हिस्सा बनकर बेहद एक्साइटेड हैं। एक्ट्रेस ने कहा, सनी देओल के साथ काम करना सम्मान की बात है, यह सपना सच होने जैसा है। घूमर के बाद, यह प्रोजेक्ट मेरे करियर में बेहद अहमियत रखता है। इस कमर्शियल फिल्म की शूटिंग शुरू होने का इंतजार कर रही हूं। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि मुझे यह अवसर मिला है। फिल्म के लिए गोपीचंद मलिनेनी का दृष्टिकोण वास्तव में बहुत शानदार है। मैं इस जर्नी के शुरू होने का इंतजार कर रही हूं। मुझ पर विश्वास करने और क्षमताओं को दिखाने का मौका देने के लिए मैं निर्माताओं की आभारी हूं।

फिल्म को ऑफिशियल तौर पर 20 जुन को हैदराबाद में लॉन्च किया गया था। शूटिंग 22 जून से शुरू होने वाली है।प्रोडक्शन बैनर माइथ्री मूवी मेकर्स ने एक्स पर फिल्म की घोषणा की और लिखा, देश की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म के लिए तैयार हो जाइए- एसडीजीएम, स्टारिंग एक्शन सुपरस्टार सनी देओल। ट्वीट में आगे कहा गया, मास फेस्ट लोड हो रहा है! शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। गोपीचंद मलिनेनी ने तेलुगु इंडस्ट्री में 2010 में एक्शन कॉमेडी फिल्म डॉन सीनू से निर्देशन में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने बॉडीगार्ड, बालुपु, पंडगा चेस्को, विनर और क्रैक जैसी फिल्मों को डायरेक्ट किया। वहीं वर्कफ्रंट की बात करें तो सनी जल्द ही ब्लॉकबस्टर फिल्म बॉर्डर के सीक्वल में भी नजर आएंगे। हाल ही में, बॉर्डर फिल्म ने अपने रिलीज के 27 साल पूरे किए। फिल्म 13 जून 1997 में रिलीज हुई थी। बॉर्डर 2 की अनाउंसमेंट करते हुए सनी ने लिखा, एक फौजी अपने 27 साल पुराने वादे को पूरा करने आ रहा है फिर सेज्इंडिया की सबसे बड़ी वॉर फिल्म बॉर्डर 2..। सनी के झोली में बाप, सूर्या और अपने 2 जैसी फिल्में भी हैं। बता दें कि अपकमिंग फिल्म का नाम अभी फाइनल नहीं हुआ है, इसलिए इस फिल्म को फिलहाल एसडीजीएम कहा जा रहा है। यह दो नामों सनी देओल और गोपीचंद मलिनेनी से मिलकर बना है।

धर्मेंद्र के डूबते कैरियर को....

नई अभिनेत्री ने बचाया था

80 के दशक में जब धर्मेंद्र लगातार फ्लॉफ फिल्म दे रहे थे, तब कॉमेडी फिल्म नौकर बीवी का ने उनकी डूबती नईया को पार लगाया था। फिल्म के जरिए धर्मेंद्र ने फिर से अपनी चमक वापस पाई थी। उनके करियर के लिए अनिता काफी लकी साबित हुई थी। कहा जाता है कि यह वही फिल्म जब धर्मेंद्र का नाम न्यू कमर अभिनेत्री अनीता राज संग जोड़ा गया था। शादीशुदा होते हुए धर्मेंद्र अनिता को डेट करने लगे थे। इसके साथ ही वह डायरेक्टर्स से उनके लिए सिफारिश भी करने लगे थे। रिपोर्ट के अनुसार, नौकर बीवी का धर्मेंद्र और अनीता राज की साथ में पहली फिल्म थी। फिल्म की शूटिंग के दौरान ही धर्मेंद्र और अनीता राज के अफेयर की खबरें सामने आई थीं। 1986 में करिश्मा कुदरत का धर्मेंद्र के साथ अनिता की आखिरी फिल्म थी।
फिल्म में दो लीड हीरोइन थी। हालांकि फिल्म में रीना रॉय को कम टाइम स्पेस मिला था। वहीं नई नवेली होने के बाद भी अनिता राज को रीना से ज्यादा स्क्रीन स्पेस मिला था। फिल्म जब रिलीज हुई रीना से ही ज्यादा लोगों ने अनिता को पसंद किया। कुल मिलाकर फिल्म में रीना रॉय पर अनिता भारी पड़ी थी। बता दें कि डायरेक्टर राजकुमार कोहली संग रीना रॉय की दुसरी फिल्म थी। इससे पहले रीना ने फिल्म कोहली की ब्लॉबस्टर फिल्म नागिन में काम किया था। नौकर बीवी का रीना रॉय के करियर के आखिरी फिल्म थी। फिल्म के बाद रीना ने शादी कर फिल्में करना छोड़ दी थी। रिपोर्ट के अनुसार, अनिता इस फिल्म की पहली पसंद नहीं थीं। उनसे पहले फिल्म को जयाप्रदा को ऑफर किया गया था। हालांकि जया पहले से ही अन्य प्रोजेक्ट में बिजी थीं इसलिए उन्होंने ये फिल्म करने से मना कर दिया था।

हर इंसान दो पत्नियां चाहता है, देवोलीना भट्टाचार्जी ने जताई आपत्ति

'बिग बॉस हमेशा से ही खबरों में चर्चा का विषय रहा है। इस शो में भाग लेने वाले अरमान मलिक को सबसे ज्यादा विरोध का सामना करना पड़ रहा है। शो में केवल वे ही नहीं उनकी दोनों पत्नियां पायल मलिक और कृतिका मलिक को भी लोग ट्रोल कर रहे हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम में अरमान ने कहा था कि 'हर आदमी अपने जीवन में दो पत्नियां चाहता है। अब उनके इस बयान पर बिग बॉस फेम देवोलीना भट्टाचार्जी ने आपत्ति जताई है। देवोलीना ने अरमान के बयान को गलत और बेहूदा है और कहा कि उनके उनके इरादे 'अश्लील' हैं।
देवोलीना ने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो साझा जिसमें अरमान मलिक यह कहते हुए सुने जा सकते हैं कि हर आदमी दो पत्नियां चाहता है। यह बात 'साथ निभाना साथिया' की अभिनेत्री को पसंद नहीं आई और उन्होंने अरमान की खिंचाई का दी। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'मैं हर आदमी के बारे में तो नहीं कह सकती, लेकिन जो लोग गंदे इरादे रखते हैं, वे 2, 3 या 4 पत्नियां रखना चाहते होंगे। भगवान के लिए यह बंद करो। किसी दिन अगर वही पत्नियां कहने लगें कि उन्हें भी 2-2 पति चाहिए, तो उसे भी देखना अच्छा लगेगा।
देवोलीना आगे लिखती हैं कि किसी दिन कोई लड़की कहेगी कि वह दो पति रखना चाहती है और उन्हें खुश रखेगी, तब मैं देखूंगी कि आप जैसे कितने लोग उसका समर्थन करते हैं। वही लोग सबसे पहले चरित्र हनन में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। एक समाज के रूप में, हम पहले से ही एक विनाशकारी रास्ते पर हैं और हां, सिर्फ इसलिए कि एक गलती सालों से हो रही है, इसका मतलब यह नहीं है कि इसे जारी रहना चाहिए। मेरी नजर में, यह गलत है, बहुविवाह गलत है और यह हमेशा गलत ही रहेगा लेकिन क्या करें कुछ ऐसा कि जब तक खुद नहीं चुकाया जाता तब तक समझ नहीं आता।
इससे पहले देवोलीना ने बिग बॉस ओटीटी 3 के मेकर्स से अरमान के घर में शामिल होने को लेकर भी सवाल किया था और कहा था कि उनका मानना ? ?है कि इस तरह का कंटेंट मनोरंजन नहीं है। देवोलीना ने पोस्ट में लिखा- अरमान और उनकी पत्नियों की शो में एंट्री की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि क्या आपको लगता है कि ये मनोरंजन है? ये मनोरंजन नहीं, गंदगी है। इसे हल्के में लेने की गलती मत करो क्योंकि ये सिर्फ रील नहीं है, ये सच है। मैं समझ ही नहीं पा रहा हूं कि कोई इस बेशर्मी को मनोरंजन कैसे कह सकता है?